RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

दैनिक

नवयत्न

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

खबरें सड़क से संसद तक

गुरुपूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष: 17 | अंक 149 | सीकर, बुधवार 29 जुलाई 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

ईओ-आरओ भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल करने वाली पांच हजार की इनामी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अधिशासी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी भर्ती परीक्षा-2022 में ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए नकल कर परीक्षा पास करने वाली पांच हजार रुपए की इनामी आरोपी कोमल निवासी कुचेरा जिला नागौर को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला पिछले काफी समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए जोधपुर और नागौर में अपने रिश्तेदारों व परिचितों के यहां छिपकर फरारी काट रही थी। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि इस संबंध में एसओजी थाना जयपुर में 19 अक्टूबर 2024 को प्रकरण दर्ज किया गया था। एसओजी की जांच में सामने आया कि कोमल वर्ष 2020 से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। 14 मई 2023 को आयोजित ईओ-आरओ भर्ती परीक्षा के दौरान उसने संगठित नकल गिरोह के सरगना पोरव कालेर और उसके चाचा तुलछाराम कालेर के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। आरोप है कि परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन और ब्लूटूथ डिवाइस की मदद से बाहर से उत्तर प्राप्त कर उसने परीक्षा दी और उत्तीर्ण भी हो गई। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि नकल कराने के बदले पोरव कालेर और कोमल के बीच 7 लाख रुपए में सौदा तय हुआ था। यह राशि परीक्षा में चयन होने और नियुक्ति मिलने के बाद दी जानी थी। हालांकि ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए नकल और धांधली की पुष्टि होने पर राजस्थान लोक सेवा आयोग ने पूरी परीक्षा निरस्त कर दी थी। गिरफ्तार आरोपी कोमल से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे का अनुसंधान जारी है। गौरतलब है कि इस मामले में अब तक कुल 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बीएमडी नि:शुल्क जांच शिविर आज

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। ढूकिया हॉस्पीटल में आज सुबह 10 बजे से 2 बजे तक नि:शुल्क बीएमडी जांच कैंप का आयोजन किया जायेगा। डॉ. रामनिवास स्वर्णकार (सीनीयर विशेषज्ञ कुल्हे एवं घुटने जोड़ प्रत्यारोपण) ने बताया कि जिसको भी जोड़ो में दर्द, अकड़न, लालीमा, सूजन, मांसपेशियों में कमजोरी आदि समस्या हों तो कैंप में नि:शुल्क बीएमडी की जॉच करवायें। बीएमडी जांच द्वारा हड्डीयों एवं जोड़ो में कैल्सियम एवं अन्य मीनरलस की जॉच की जायेगी। डॉ. मोनिका ढूकिया ने बताया कि प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को नि:शुल्क बीएमडी जॉच कैंप का आयोजन किया जायेगा। जिससे मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिलता रहेगा। उन्होने बताया कि ढूकिया हॉस्पीटल में मां योजना (चिरंजीवी), ईसीएचएस, आरजीएचएस, ईएसआईसी में कुल्हे एवं घुटने जोड़ प्रत्यारोपण कैशलेस किये जाते है। हॉस्पिटल निदेशक डॉ मोनिका ढूकिया ने बताया कि अस्पताल में न्यूरो विशेषज्ञ, गैस्ट्रो एवं लिवर विशेषज्ञ, कोलोनोस्कोपी, एंडोस्कोपी की जाँच, यूरोलॉजिस्ट, आर्थो, लेप्रोस्कोपिक सर्जन, सोनोलॉजिस्ट, एमडी फिजिशियन सहित उपरोक्त सभी सुविधा ईसीएचएस, आरजीएचएस, ईएसआईसी एवं माँ योजना के अंतर्गत कैशलेश उपलब्ध है।

एएसपी ममता सारस्वत का झुंझुनू नागरिक मंच ने किया सम्मान

निलेश मुदगल

झुंझुनू (नवयत्न)। बीकानेर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत ममता सारस्वत के एक दिवसीय झुंझुनू आगमन पर झुंझुनू नागरिक मंच द्वारा उनका अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। एक नंबर रोड स्थित प्रभात टॉकीज के सामने आयोजित सम्मान समारोह में नागरिक मंच के अध्यक्ष वरिष्ठ दंत रोग विशेषज्ञ डॉ संजय कटेवा की अगुवाई में ममता सारस्वत का माल्यार्पण कर, दुपट्टा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक उमाशंकर महमिया ने बताया कि एएसपी बनने के बाद ममता सारस्वत का झुंझुनू में पहला आगमन था। इसी अवसर पर उनके सम्मान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि ममता सारस्वत पूर्व में झुंझुनू शहर में डीएसपी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं तथा अपने कार्यकाल में उन्होंने उत्कृष्ट कार्यशैली और जनसरोकारों के प्रति संवेदनशीलता से लोगों के बीच विशेष पहचान बनाई। इस अवसर पर मंच के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ उमेश केडिया, सीए रवींद्र मरोलिया, रामगोपाल महमिया, व्यवसायी अनिल जांगिड़, लालचंद, रवि महरिया सहित झुंझुनू नागरिक मंच के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर यज्ञ आज

निसं

तारानगर (नवयत्न)। बुधवार को तारानगर तहसील के गांव भलाऊ टिब्बा में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। धनपतराम जांगिड़ ने बताया कि इस अवसर पर 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ होगा जिसमें सभी संस्कार नि:शुल्क सम्पन्न कराए जाएंगे। यह कार्यक्रम श्री बालाजी मंदिर में सुबह 8 बजे से शुरू होगा जो गायत्री परिवार चूरू के जिला समन्वयक ओमप्रकाश पारीक के मार्गदर्शन में होगा। गांव एवं क्षेत्र के सभी धर्म प्रेमी सज्जनों और माताओं बहनों से निवेदन है ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे और दुर्लभ अवसर का लाभ उठाएं।

एक हजार निजी स्कूल बंद

संचालकों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन निकाली रैली, मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

अशोक राईका

झुंझुनू (नवयत्न)। प्राइवेट स्कूल संघर्ष समिति बैनर तले मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर निजी विद्यालय संचालकों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर शक्ति प्रदर्शन किया। जिले की करीब एक हजार निजी स्कूलें बंद रही और विद्यार्थियों का अवकाश रखा गया। हजारों की संख्या में निजी विद्यालय संचालक, संचालिकाएं और स्टाफ सदस्य गांधी चौक से रैली निकालते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन का नेतृत्व प्राइवेट स्कूल संघर्ष समिति और निजी शिक्षण संस्थान संघ ने किया। प्रदर्शन के दौरान संचालकों ने राज शाला संबलन ऐप के माध्यम से बार-बार होने वाली जांच, आरटीई की लंबित भुगतान राशि, पूर्ण फीस जमा हुए बिना टीसी जारी करने के आदेश, परिवहन विभाग के अव्यावहारिक नियमों तथा स्कूल बसों की फिटनेस प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग भी उठाई। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित सभा को सुरेंद्र अहलावत, अमित इंदौरिया, राकेश झाझड़िया, अनिल शर्मा, इकबाल हुसैन, मोहम्मद इब्राहीम, रमेश चंद्र, विकास शर्मा, सुभाष, यूसुफ अली, कपूर सिंह, विकास रेप्सवाल, राजेश स्वामी, राजीव झाझड़िया, संवाराम, रिशाल तथा फतेह सिंह सहित अनेक पदाधिकारियों ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने निजी विद्यालयों की एकजुटता पर जोर देते हुए लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया।

हर दो-छह महीने की जांच से पढ़ाई प्रभावित : अहलावत

सभा को संबोधित करते हुए निजी शिक्षण संस्थान संघ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र अहलावत ने कहा कि किसी भी निजी विद्यालय को मान्यता देने से पहले सक्षम समिति द्वारा विस्तृत जांच की जाती है और सभी मानकों की पूर्ति के बाद ही मान्यता मिलती है। इसके बावजूद हर दो-तीन या छह महीने में बार-बार जांच करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों का समय बार-बार निरीक्षण और दस्तावेजों की तैयारी में व्यतीत हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि विद्यालयों की जांच वर्ष में केवल एक बार ही की जाए।

प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

निजी विद्यालय संचालकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी जायज मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले समय में पूरे प्रदेश में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और विद्यार्थियों के हित सर्वोपरि रहेंगे।

आरटीआई भुगतान में देरी से बढ़ रही आर्थिक परेशानी : विकास शर्मा

आकाश एकेडमी संचालक विकास शर्मा ने कहा कि निजी विद्यालय सरकार और न्यायालय के निर्देशानुसार 25 प्रतिशत विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा देते हैं लेकिन इसके बदले मिलने वाला आरटीई भुगतान वर्षों तक लंबित रहता है। सरकार द्वारा निर्धारित राशि भी समय पर नहीं मिलने से कर्मचारियों के वेतन, विद्यालय संचालन और अन्य व्यवस्थाओं पर गंभीर असर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जिस शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को पढ़ाया जाए, उसी सत्र के समाप्त होने से पहले आरटीई की पूरी भुगतान राशि जारी की जाए।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, मिला आश्वासन

सभा के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शाला संबल जांच आदेश वापस लेने, आरटीई भुगतान की समय-सीमा तय करने, टीसी संबंधी आदेशों में संशोधन, परिवहन विभाग के नियमों में सुधार और पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं के लंबित भुगतान सहित विभिन्न मांगें रखी गई। जिला कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जिला स्तर की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाएगा तथा राज्य सरकार से जुड़े मामलों को उच्च स्तर पर भेजकर आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुशंसा की जाएगी।

तीन साल बाद परिवार से मिला शंकर पुलिस सत्यापन के बाद परिजनों को सौंपा

मधु दहिया

बुहाना (नवयत्न)। श्री श्याम मानव सेवा संस्थान ने मानव सेवा का एक और सराहनीय उदाहरण पेश करते हुए करीब तीन वर्षों से अपने परिवार से बिछड़े मानसिक रूप से अस्वस्थ शंकर लाल को उनके परिजनों से मिलाकर सकुशल घर पहुंचाया। संस्थान के प्रयासों से शंकर लाल की पहचान स्थापित हुई और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। संस्थान के अनुसार करीब दस माह पहले शंकर लाल ग्राम खांदवा स्थित ब्रह्मचारी आश्रम के पास अत्यंत दयनीय अवस्था में मिले थे। उस समय वे अपना नाम और पता बताने में असमर्थ थे तथा पूछने पर केवल अंकल शब्द ही बोलते थे। इसके बाद संस्थान उन्हें अपने आश्रय गृह लेकर आया, जहां उनके उपचार, पौष्टिक भोजन, वस्त्र और नियमित देखभाल की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद शंकर लाल ने अपना नाम तथा निवास ग्राम पंचायत आमलावा, जिला उदयपुर बताया। इसके बाद संस्थान ने ग्राम पंचायत आमलावा के सरपंच से संपर्क कर उनकी पहचान की पुष्टि करवाई और परिजनों तक सूचना पहुंचाई। पुलिस सत्यापन एवं अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद शंकर लाल को उनके छोटे भाई कोशिया लाल और भतीजे नाथू राम के सुपुर्द कर दिया गया। संस्थान के निदेशक डॉ संदीप कुमार ने कहा कि मानव सेवा केवल भोजन और आश्रय उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है बल्कि किसी बिछड़े व्यक्ति को उसके परिवार तक पहुंचाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है और संस्थान इसी संकल्प के साथ निरंतर सेवा कार्य कर रहा है। संस्थान ने इस कार्य में सहयोग देने वाले पुलिस प्रशासन, ग्राम पंचायत, भामाशाहों तथा सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। साथ ही आमजन से अपील की कि यदि कहीं कोई असहाय, मानसिक रूप से अस्वस्थ या परिवार से बिछड़ा व्यक्ति मिले तो उसकी सूचना संबंधित प्रशासन या सेवा संस्थाओं को दें ताकि उसे भी उसके परिजनों तक पहुंचाया जा सके।

30 लाख की रिश्वत मामले में 10 माह से फरार तत्कालीन पटवारी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने वर्ष 2025 के बहुचर्चित 30 लाख रुपए की रिश्वत प्रकरण में करीब नौ-दस माह से फरार चल रहे तत्कालीन पटवारी नरेन्द्र मीणा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पटवार हल्का हाथोज, तहसील कालवाड़ जयपुर में पदस्थापित था और भूमि का नामांतरण खोलने की एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि सितंबर 2025 में परिवादी ने शिकायत दी थी कि हाथोज क्षेत्र स्थित उसकी करीब 10 बीघा भूमि का नामांतरण खोलने के बदले तत्कालीन पटवारी नरेन्द्र मीणा अपने तथा तत्कालीन तहसीलदार के नाम पर 50 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत के सत्यापन में रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। जांच के दौरान सामने आया कि बाद में रिश्वत की राशि 30 लाख रुपए तय की गई और इसे कथित मध्यस्थ विकास शर्मा के माध्यम से लेने की योजना बनाई गई। एसीबी ने 21 सितंबर 2025 को योजनाबद्ध ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान नरेन्द्र मीणा के निर्देश पर उसके सहयोगी एवं कथित मध्यस्थ विकास शर्मा को 30 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया जबकि मुख्य आरोपी नरेन्द्र मीणा मौके से फरार हो गया था। अनुसंधान में यह प्रमाणित हुआ कि नरेन्द्र मीणा ने विकास शर्मा के साथ मिलीभगत कर परिवादी से अवैध रिश्वत की मांग की और मध्यस्थ के जरिए राशि प्राप्त करने का प्रयास किया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित-2018) की धारा 7 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) के तहत अपराध प्रमाणित पाया गया। एसीबी ने आरोपी को अनुसंधान में उपस्थित होने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35(3) के तहत नोटिस भी जारी किया था लेकिन वह लगातार फरार रहा। लगातार निगरानी और सूचना संकलन के बाद एसीबी टीम ने मंगलवार को जयपुर के कालवाड़ रोड स्थित चम्पापुरा में आरोपी के निवास पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाएगा।

सीबीएसई एथलेटिक्स क्लस्टर में प्रिंस को विजेता का खिताब

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। बहरोड़ में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर एथलेटिक्स 14 एवं 19 वर्ष प्रतियोगिता में सीकर स्थित प्रिंस एजुहब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 स्वर्ण, 4 रजत व 9 कांस्य पदक सहित कुल 22 पदक जीते हैं। साथ ही 14 वर्ष छात्र प्रतियोगिता में प्रिंस सैनिक स्कूल ने विजेता का खिताब जीता है। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रिंस के 9 खिलाड़ियों का चयन नेशनल लेवल पर हुआ है। चिड़ावा में चल रही सीबीएसई फुटबॉल क्लस्टर 19 वर्ष छात्र प्रतियोगिता में प्रिंस एकेडमी ने एसएमएस स्कूल, जयपुर को 5-3 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

अवैध लॉन्ड्री से निकलने वाले केमिकल से खतरे का अंदेशा

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। ग्राम जसवन्तगढ़ की गली नं 6 में घनी आबादी के बीच रिहायशी क्षेत्र में बीना सक्षम अनुमति एवं वाणिज्य रूपान्तरित भूमि के अवैध लॉन्ड्री का नियम विरूद्ध संचालन करने की एसडीएम के समक्ष शिकायत पेश हुई है। ज्ञापन के मुताबिक लॉन्ड्री में विषैले केमिकल उपयोग मे लिये जा रहे है जिससे आस-पास के बाशिंदों का जीना दूभर हो गया है और उनके स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ रहा है। यहां संचालक द्वारा बिना अनुमति के निर्माण करवाकर नियम विरूद्ध तरीके से व्यवसायिक गतिविधि संचालित की जा रही है। वहीं लॉन्ड्री के कार्मिकों द्वारा मोहल्ले में अनियंत्रित स्पीड से वाहनों को दौड़ाया जाता है जिसकी शिकायत भी स्थानीय पुलिस थाने में कई बार की जा चुकी है। मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में एकजुट होकर मंगलवार को उपखंड अधिकारी ममता लहुआ को ज्ञापन देकर अवैध लॉन्ड्री की जांच करवाकर बन्द करवाने व आमजन को राहत प्रदान करवाने की मांग की है।

राजकीय संस्कृत विद्यालय में किया पौधरोपण

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। डूंडलोद स्थित राजकीय संस्कृत विद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा नेता शंकर लाल शर्मा के नेतृत्व में हरियालो राजस्थान, एक पेड़ मां के नाम एवं एक पेड़ देश के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। साथ ही पौधों की नियमित सार-संभाल करने की जिम्मेदारी भी ली गई। इस अवसर पर ब्रह्मानंद शर्मा, संतोष देवी, मायापति, सुमन शर्मा, आशा कुमारी, हुसैन खान एवं महेश सिंह बड़गुजर मौजूद रहे।

चातुर्मास कथा की पूर्व संध्या पर निकाली कलश यात्रा

नोखा (नवयत्न)। नोखा में परम पूज्य ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज दंडी स्वामी का आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा 29 जुलाई से 20 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले भव्य चातुर्मास कथा व शतमुख कोटि होमात्मक अमृत चंडी महायज्ञ को लेकर मंगलवार की सांय साढ़े 4 बजे पारीक भवन से रंग बिरंगी साड़ियों में सजी धज्जी हजारों की तादाद में महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण कर व बड़ी तादाद में पुरुष, युवा, युवतियां अपने हाथों में पताकाएं व गले में पट्टिकाएं धारण कर इस ऐतिहासिक कलश यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। ?कलश यात्रा में आगे दुपहिया वाहन पर सवार होकर युवा उनके पीछे डीजे बजता हुआ व सजे धज्जे ऊँठों और घोड़ियों की लम्बी कतार उसके बाद भारी तादाद में महिला व उनके आगे पीछे जसवंतगढ़ के झांकी कलाकार द्वारा विभिन्न देवी देवताओं की रथों पर झांकियाँ कलश यात्रा की शोभा बढ़ाते हुए चल रही थी। इसके पीछे एक रथ पर ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज चल रहे थे उनके आस पास नोखा के अनेक गणमान्यजन, जनप्रतिनिधि अपने हाथों में पताकाएं लेकर चल रहे थे।

राजस्थान पुलिस अकादमी और यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के बीच ऐतिहासिक एमओयू

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान पुलिस ने पुलिस कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए राजस्थान पुलिस अकादमी एवं यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर यूकेके मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। लगभग 200 वर्ष पुराने विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के साथ यह साझेदारी राजस्थान पुलिस को वैश्विक शैक्षणिक विशेषज्ञता और आधुनिक शोध से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में राजस्थान पुलिस अकादमी की ओर से अतिरिक्त निदेशक शंकरदत्त शर्मा तथा यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर की ओर से प्रो. विमल कुमार शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि 200 वर्ष पुराने प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से जुड़ना राजस्थान पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक

अवसर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस के पास उपलब्ध व्यापक अनुभव एवं डेटा तथा विश्वविद्यालय की शोध विशेषज्ञता के समन्वय से पुलिसिंग, पुलिस कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ज्ञान-संपदा और वैज्ञानिक शोध का लाभ उपलब्ध कराएगी। डीजीपी शर्मा ने कहा कि इस समझौते के माध्यम से राजस्थान पुलिस के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए डिस्टेंस लर्निंग, सर्टिफिकेट कोर्स, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशालाओं तथा विशेषज्ञ व्याख्यानों के नए अवसर उपलब्ध होंगे। इससे पुलिस बल की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य और पेशेवर दक्षता को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा। एमओयू के अनुसार प्रारंभिक चरण में सहयोग यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज के साथ किया जाएगा तथा भविष्य में आपसी सहमति से अन्य विषयों को भी इसमें शामिल किया जा सकेगा। समझौते के तहत मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक देखभाल, स्वास्थ्य विज्ञान, पुलिस कल्याण एवं अन्य पारस्परिक रुचि के विषयों पर संयुक्त शोध एवं अनुसंधान किए जाएंगे। इस दौरान डीजीपी शर्मा ने हाल के वर्षों में पुलिसकर्मियों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं पर चिंता जताई और विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों को इस विषय पर विशेष अध्ययन कर सुझाव देने का आह्वान किया। इस मौके पर एडीजी ट्रेनिंग राघवेंद्र सुहासा ने बताया कि समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त शोध परियोजनाएं, अकादमिक प्रकाशन, सेमिनार, कार्यशालाएं, विशेषज्ञ व्याख्यान तथा शोध गतिविधियों का संचालन करेंगे। दोनों पक्ष विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षकों के बीच अकादमिक सहयोग को भी बढ़ावा देंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान सुनिश्चित हो सके। एमओयू में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट एवं पोस्ट-डॉक्टोरल विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं के एक्सचेंज प्रोग्राम, विजिटिंग प्रोफेसर व्यवस्था, संयुक्त शिक्षण कार्यक्रम, पीएचडी शोध का सह-मार्गदर्शन, इंटर्नशिप, अल्पकालिक अकादमिक कार्यक्रम तथा संयुक्त तकनीकी एवं शोध परियोजनाओं की संभावनाओं का भी प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त दोनों संस्थान तृतीय पक्ष से अनुसंधान एवं तकनीकी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहयोग प्राप्त करने तथा वैश्विक नेटवर्क विकसित करने की दिशा में भी संयुक्त प्रयास करेंगे। एमओयू के अनुसार सभी संयुक्त परियोजनाएं आपसी सहमति से संचालित होंगी तथा प्रत्येक परियोजना के लिए आवश्यकतानुसार पृथक समझौता किया जाएगा। बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा, गोपनीयता तथा वित्तीय व्यवस्थाओं को लेकर भी स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। यह समझौता पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगा तथा आपसी सहमति से आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के प्रतिनिधिमंडल में प्रो कैथरीन रॉबिन्सन, डॉ एमिली बेबिंगटन एवं प्रो विमल कुमार शर्मा शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान पुलिस के साथ यह सहयोग दोनों संस्थानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों पक्ष एक-दूसरे के अनुभवों, शोध और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से सीखते हुए पुलिस कल्याण एवं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रभावी कार्य कर सकेंगे। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वीके सिंह, रूपिंदर सिंह, बिपिन कुमार पाण्डेय, प्रफुल्ल कुमार सहित पुलिस मुख्यालय एवं राजस्थान पुलिस अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण राघवेंद्र सुहासा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि यह एमओयू राजस्थान पुलिस के प्रशिक्षण, अनुसंधान, मानसिक स्वास्थ्य एवं पुलिस कल्याण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

अणुव्रत समिति द्वारा 400 पौधें वितरित

निसं

नोखा (नवयत्न)। अणुव्रत समिति नोखा द्वारा निकटवर्ती गांव सलुंडीया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 400 पौधों का वितरण किया गया। विद्यालय परिसर में पौद्यरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शिवनारायण ने अणुव्रत के नियमों की पालना का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक का उपयोग रोकने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्लास्टिक मुक्त स्कूल एवं प्लास्टिक मुक्त घर का प्रयोग क्रियात्मक रूप से समझाया। अणुव्रत समिति के अध्यक्ष रमेश कुमार व्यास ने छोटे-छोटे संकल्पो को लेकर मानव मात्र का कल्याण व स्वयं का जीवन बदलने की बात कही। अणुव्रत समिति के पर्यावरण प्रभारी दिनेश उपाध्याय ने पौधरोपण की सावधानियों की जानकारी दी। संस्था प्रधान ओमप्रकाश मीणा ने अणुव्रत एक्टिविटी की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का आह्वान किया व वितरित पौधों को गांव के सार्वजनिक स्थान एवं घर-घर में पौधा लगाने का आह्वान किया। गांव के प्रबुद्ध जन गंगाबिशन बिश्नोई, मालाराम, हनुमानराम, रामेश्वरलाल, सहीराम जाखड़, भारमल, रामूराम, जोगाराम मेघवाल, जेठाराम, कानाराम एवं रामकरण जाट ने पौधे लगाने का संकल्प लिया। अध्यापक रामस्वरूप भादू एवं ओमप्रकाश, रामानंद सहित पूरे स्टाफ ने सक्रिय सहयोग दिया।

दरगाह पर आज मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। कौमी एकता की प्रतीक दरगाह पीर नूर मोहम्मद खान पठान श्रीमाधोपुर पर आज गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दरगाह खादिम ओपी सबल ने बताया कि गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर पूज्य गुरुदेव सीताराम बोहरा के सानिध्य में दीपदान महोत्सव मनाया गया जिसमें 501 घी व तेल के दीपक जलाकर आरती की गई जिससे संपूर्ण दरगाह परिसर दीपों की मनमोहक रोशनी से आलोकित हो उठा। इसके पश्चात मध्यरात्रि में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 1008 आहुतियों के साथ हवन सम्पन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने मानव कल्याण, सुख-समृद्धि एवं आपसी भाईचारे की कामना की। दीपदान महोत्सव में बंशीधर झिंगोनिया, सुरेश करीरी, गिरधारी लाल सैनी, प्रहलाद डबरिया तथा अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। दरगाह खादिम ने बताया कि आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पूज्य गुरुदेव के श्रीमुख से पावन सत्संग का आयोजन होगा तथा सालासर बालाजी महाराज को खीर चूरमा का भोग लगा कर सभी श्रद्धालुओं को पंगत प्रसादी दी जाएगी।

राजकीय आयुर्वेद औषधालय में किया पौधरोपण

निसं

बुगाला (नवयत्न)। पर्यावरण संरक्षण के लिए राजकीय आयुर्वेद औषधालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। चिकित्सा अधिकारी डॉ रोहिताश्व शर्मा के सानिध्य में परिजात, चांदनी और गंधराज सहित विभिन्न औषधीय एवं छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर डॉ शर्मा ने कहा कि पौधे पर्यावरण को संतुलित रखने के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने सभी लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। पौधरोपण कार्यक्रम में मुरलीधर गुप्ता, सुरेंद्र कुमार जांगिड़, मुकेश सोनी, पुजारी जोगेंद्र सिंह, विद्याधर सिंह, हवलदार रमेश बुगालिया, विद्याधर बुगालिया, विजय कुमार जांगिड़ सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने की हर रविवार ड्राई-डे मनाने की अपील

सपना शर्मा

सीकर (नवयत्न)। बरसात के मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से मौसमी बीमारियों की रोकथाम का कार्य किया जा रहा है। विभाग ने मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए आमजन से बारिश के बाद घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा हर रविवार ड्राई डे मनाने की अपील की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए विभाग की ओर से मौसमी बीमारियों की रोकथाम का कार्य शुरू कर दिया गया है। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा एंटी एडल्ड व एंटी लार्वल गतिविधियां की जा रही हैं। आशा, सीएचओ तथा एएनएम द्वारा लोगों के घर पर जाकर आमजन को मौसमी बीमारियों के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जीका जैसी बीमारियां, मच्छरों के काटने से होती है। इनकी रोकथाम का सबसे असरदार तरीका मच्छरों का लार्वा पनपने से रोकना है। कूलर, पानी की टंकियां, बाल्टियां, गमले, परिण्डे, पुराने टायर, मटके, नारियल के खोल, दूसरे जल संग्रहण वाले पात्रों में पानी जमा नहीं होने दें। सप्ताह में कम से कम एक बार इन सभी पात्रों को पूरी तरह खाली करें और साफकर सुखाकर काम लें। पानी की टंकियों को हमेशा ढककर रखें। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि दिन में मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। घर और आसपास साफ सफाई रखें। किसी व्यक्ति को तेज बुखार, सिर दर्द, शरीर में दर्द, जोड़ों में दर्द, उल्टी, शरीर पर लाल चकते जैसे लक्षण दिखाई दें तो नजदीकी सरकारी अस्पताल में चिकित्सक को दिखाएं और जांच करवाएं।

भोपालगढ़ किले पर गेट लगाने के विरोध में ग्रामीणों ने निकाला मशाल जुलूस

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने जन सेवा समिति के बैनर तले चल रहा धरना सोमवार को भी जारी रहा। देर शाम को ग्रामीणों की ओर से कस्बे में मशाल जुलूस निकाला गया। जन सेवा समिति के गोकुलचंद सैनी के नेतृत्व में ग्रामीण अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले काफी दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं।

मशाल जुलूस के दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रस्ट की तानाशाही के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। धरने का मुख्य मुद्दा भोपालगढ़ किले के मुख्य द्वार पर लगाए गए

गेट तथा घरों के सामने बनाई गई दीवार को हटाने की मांग से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही नगर पालिका क्षेत्र में विचरण करने वाले जंगली जानवरों पर रोक लगाने की भी मांग की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इन समस्याओं के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विरोध कर रहे लोगों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन से जल्द समाधान निकालने की मांग करते हुए क्षेत्रवासियों को राहत दिलाने की अपील की। धरना संयोजक गोकुलचंद सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार शाम के समय मुख्य बाजार से कस्बे के विभिन्न मार्गों से होते हुए उपखंड कार्यालय तक मशाल जुलूस निकाला गया, जिसके माध्यम से अपनी आवाज को और मजबूती से उठाया जाएगा। यदि प्रशासन ने जल्द मामले में कोई गंभीरता नहीं दिखाई तो ग्रामीणों की ओर से आंदोलन को तेज किया जाएगा। इस मौके पर चंदगीराम सैनी, सुधीर गुप्ता, हनुमान प्रसाद सैनी, गजानंद कुमावत, विशंभर शर्मा, बलबीर सैनी, रमेश सैनी, श्याम सिंह, इंद्राज सैनी, हरमेंद्र चनानिया, नवल किशोर, ग्यारसी लाल सैनी, राजेश सांखला, भूपेंद्र सोढा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत् में सुनाया सुदामा चरित्र का प्रसंग

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सियाराम बाबा की बगीची में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के अन्तिम दिन कथावाचक सुदर्शन महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा की मित्रता व सुदामा चरित्र के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा वाचक सुदर्शन महाराज ने कहा कि सुदामा श्रीकृष्ण के बचपन के मित्र थे और एक गरीब ब्राह्मण थे, जिनकी अटूट मित्रता और प्रेम भागवत पुराण में हैं। उन्होंने कहा कि कृष्ण सुदामा चरित्र सच्ची मित्रता, प्रेम और समर्पण की अमर गाथा है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा उनके गरीब ब्राह्मण मित्र सुदामा के गुरुकुल के दिनों, द्वारका मिलन और बिना मांगे मिले ऐश्वर्य का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रसंग को ही मित्रता का सबसे बड़ा आदर्श माना गया है। महामंडलेश्वर श्यामसुंदर दास त्यागी महाराज ने बताया कि आज बुधवार को गुरु दक्षिणा, कन्या पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कथा के दौरान मुख्य यजमान सूर्यप्रकाश शर्मा ने श्रीमद्भागवत की पूजा-अर्चना एवं आरती की। इस अवसर पर नरेंद्र भाटी, निर्मल सराफ, बजरंग लाल बोचीवाल, मंजू सोनी, आलोक स्वामी, बृजकिशोर सोनी, दामोदर शर्मा, दिनेश स्वामी, मनीष स्वामी, मुरारी खंडेलवाल, रामनिवास प्रजापत, राकेश रिणवा एवं बृजेश शर्मा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने कथा में व्यवस्थाओं का दायित्व संभाला। इससे पूर्व कथा के दौरान कोतवाली सीआई मुकेश सिंह का महामंडलेश्वर श्यामसुंदर दास महाराज व सियाराम बाबा बगीची के कार्यकर्ताओं द्वारा माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

धूमधाम से भरा नानी बाई रो मायरो

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। कस्बे में देवनगर में अंजनी माता परिसर में पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के तहतचौथे दिन नानी बाई रो मायरो बड़े धूमधाम से भरा गया। कथावाचक तुलसीराम पांडे ने कहा कि नरसी महाराज अपनी टूटी-फूटी बैलगाड़ी में संतों के संग नानी बाई रो मायरो भरने जाते हैं, रास्ते के अंदर उनकी गाड़ी खराब हो जाती है तब स्वयं भगवान के रूप में प्रकट होते हैं एवं उनकी गाड़ी ठीक करते हैं एवं नरसी भजन गाते नानी बाई के निवास स्थान पर पहुंचते हैं खाली हाथ देखकर नानी बाई अपने आप को आंसुओं से रोक नहीं सकी एवं अपने पिताजी को कहती है पिताजी मायरा के अंदर कुछ भी नहीं लेकर आए। तब नरसी जी कहते हैं बेटा मेरे पास तो सांवरिया का नाम है जो होशी सांवरियो सेठ करसी नानी बाई के ससुराल वाले उनको बुरी तरह से प्रताड़ित करते हैं लेकिन कोई उपाय नहीं नरसी महाराज भजनों में लिल हो गए

एवं जैसे ही उनको संदेश मिला कि सांवरिया सेठ मायरा भरने के लिए आ रहे हैं नानी बाई अपने आप को रोक नहीं सकी। कथावाचक पांडे ने कहा भगवान की सच्ची भक्ति करने से भगवान स्वयं प्रकट होते हैं एवं 56 करोड़ का नानी बाई रो मायरो बड़े धूमधाम से स्वयं भगवान एवं रुक्मणी के साथ धूमधाम से नानी बाई रो मायरो भरा। इस अवसर पर पंडाल में कथा वाचक द्वारा भजन आज हरी आए विदुर दूर घर पावना, मेरा मोहन भैया आयो, सांवरियो सेठ म्हारी राधा जी सेठानी, आओ सखी मंगल गाओ आदि भजनों के बोल पर श्रद्धालु गण नाचने पर मजबूर हो गए। इस अवसर पर मुख्य यजमान अरुण सराफ, रेनू सराफ, करण सराफ, मोहित गुप्ता, रिद्धि गुप्ता, राधेश्याम पारीक, मनोज पुजारी, मोहित पुजारी, संजय पुजारी, अंकित पुजारी, राकेश पुजारी, संतलाल पुजारी, पंडित किशन पुजारी, बजरंग पुजारी, हेमराज, अंकित, पुरुषोत्तम मारू, विजय कुमार ठेकेदार, मिर्जामल प्रजापत, शंकर लाल प्रजापत, कन्हैयालाल प्रजापत, किशोर पांडे, बिड़दी चंद्र प्रजापत, दौलत राम प्रजापत आदि श्रद्धालुओं ने आरती उतार कर महाराजश्री से आशीर्वाद लिया। आज प्रात: गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बाबा की महा आरती होगी उसके बाद महा प्रसाद का भोग लगाया जाएगा जो श्रद्धालुओ को वितरित किया जाएगा।

सर्व समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आज

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। श्री सीताराम बाबा बावड़ी आश्रम श्रीमाधोपुर में बुधवार को दोपहर 2 से 4 बजे तक सर्व समाज द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। महामंडलेश्वर श्री श्री 108 ओमकार दास महाराज के अनुसार समारोह में शिक्षा सत्र 2025-26 में 10 वीं व 12 वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थियों से अपेक्षा की गई थी कि वे अपनी अंक तालिका की फोटो प्रति 27 जुलाई तक बावड़ी आश्रम, खुशी स्वीट होम, ए वन स्कूल, पूर्व पार्षद विनय सैनी, विशंभर पारीक, बालाजी कलर लैब, और महेंद्र सैनी को जमा करा दें। कार्यक्रम आयोजको की ओर से तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

निःशुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर आज

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सुजानगढ़ निवासी व बेंगलुरू प्रवासी कमलेश भरत डूंगरवाल के सौजन्य से द यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ़ द्वारा क्लब अध्यक्ष निर्मल कुमार भूतोडिया की प्रेरणा से आज बुधवार को नि:शुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रभारी ललित सोनी ने बताया कि शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया द्वारा नेत्र रोगियों की नि:शुल्क जांच कर मोतियाबिंद के ऑपरेशन लायक रोगियों का चयन किया जायेगा। चयनित नेत्र रोगियों के नि:शुल्क लेंस प्रत्यारोपण डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल सुजानगढ़ में किए जायेंगे। द यंग्स क्लब ट्रस्ट सभागार सुजानगढ़ में आयोजित होने वाला यह शिविर प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगेगा।

अवैध टोपीदार बंदूक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। बबाई पुलिस ने मंगलवार को अवैध हथियार के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध टोपीदार बंदूक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थानाधिकारी सत्यवीर सिंह ने बताया कि पुलिस को गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना मिली एक एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर आ रहा है। जिस पर बबाई बाईपास ढाणी बैचावाली को जाने वाला कच्चा रास्ता के पास पुलिस टीम पहुंची तो एक व्यक्ति जो टोपीदार बंदूक लिए खड़ा था जो पुलिस की जीप को देखकर भागकर जाने लगा। इस दौरान पुलिस टीम ने घेराबंदी कर डिटेन किया जाकर उससे नाम पता पूछा तो अपना नाम पूर्णमल निवासी दयाल का नांगल पुलिस थाना डाबला का होना बताया। जिसको टोपीदार बंदूक के लाईसेंस के बारे पूछा तो वह संतुष्ट जवाब नहीं दे पाया। जिस पर पुलिस ने अवैध टोपीदार बंदूक रखने पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध टोपीदार बंदूक को जब्त कर आरोपी पूर्णमल को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से जब्त किए गए हथियार के बारे में पुछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में एएसआई कृष्ण कुमार, एचसी अमरसिंह, कांस्टेबल संजय कुमार आदि शामिल थे।

ज्ञापन : आरएसएस की सांस्कृतिक व सामाजिक गतिविधियों को सरकारी शिक्षण संस्थानों से दूर रखने की मांग

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा सरकारी व निजी शिक्षण संस्थाओं में एक पुस्तक (संघ यात्रा, संगठन व सेवा के 100 वर्ष) का वितरण शुल्क लेकर की जा रही है व कुछ समय बाद इस पुस्तक के आधार पर एक प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। जो कि उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है यह सब राजनीतिक साजिश के चलते किया जा रहा है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी श्रीमाधोपुर ने राष्ट्रपति के नाम लिखा ज्ञापन उपखंड

कार्यालय श्रीमाधोपुर को सौंपा गया है जिसमें आग्रह किया गया है कि आरएसएस की इन गतिविधियों का संचालन राजकीय शिक्षण संस्थान चुनाव में न किया जाए। ज्ञापन देते समय राकेश तिवारी, मदन चौहान, संजय लोकनाथका, लक्की मऊवाला, मूलचंद बागोरिया, वेद प्रकाश बारोलिया, अजय नांगलका, विक्की बिंवाल व अन्य कांग्रेस जन उपस्थित थे।

बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखागांव, बीकासर एवं बुधरों की ढाणी क्षेत्र में सिंगल फेज बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस जिला महासचिव मुरली गोदारा के नेतृत्व में किसानों एवं ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी तथा जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि रीको जीएसएस से निकलने वाले घरेलू एवं कृषि फीडर के माध्यम से नोखागांव, बीकासर एवं बुधरों की ढाणी में बिजली आपूर्ति की जाती है। इन ढाणियों में बड़ी संख्या में

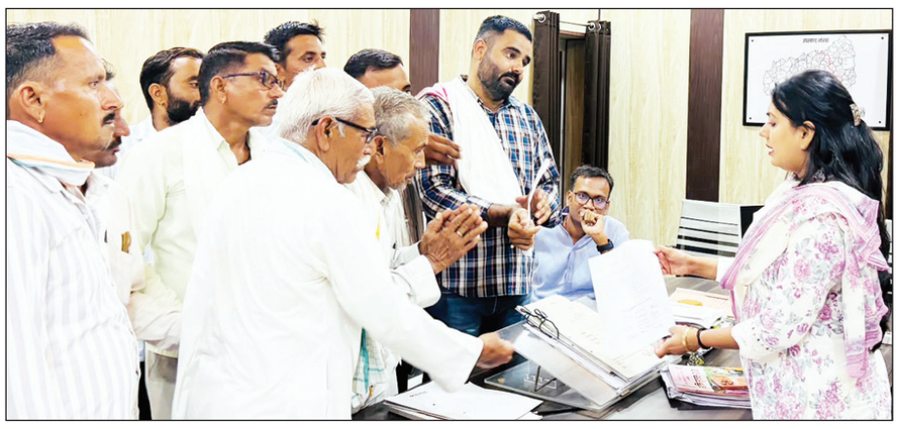

सिंगल फेज विद्युत कनेक्शन हैं लेकिन वर्तमान में उपभोक्ताओं को मात्र करीब 8 घंटे ही बिजली मिल रही है जबकि शेष समय बिजली बंद रहने से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मुरली गोदारा ने बताया कि लगातार बिजली कटौती के कारण घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं। विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो रही है तथा गर्मी के मौसम में छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं को विशेष परेशानी उठानी पड़ रही है। पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं होने से पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित होती है और ग्रामीणों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। किसानों ने कहा कि नियमित एवं पर्याप्त बिजली नहीं मिलने से आमजन में लगातार रोष बढ़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन एवं विद्युत विभाग से मांग की गई कि सिंगल फेज विद्युत आपूर्ति को पूरे 24 घंटे नियमित रूप से संचालित किया जाए ताकि क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सके और विद्यार्थियों की पढ़ाई, घरेलू कार्यों एवं दैनिक आवश्यकताओं पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को समाप्त किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। यदि शीघ्र ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो ग्रामीणों के साथ मिलकर जन आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर सरपंच पुरखाराम देपन, रेवंतराम भाम्भू, लिच्छूराम सियाग, नगाराम मेघवाल, खेराजराम गोदारा, हड़मान भाम्भू, रेवंतराम ढाका, केशुराम तरड़, अशोक सियाग, हड़मान तरड़, ईश्वर मेघवाल सहित बड़ी संख्या में किसान बंधु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांसद से की बकाया महंगाई भत्ता दिलवाने की मांग

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। राजस्थान पेंशनर समाज के पूर्व सचिव नरसाराम फलवाड़िया ने चूरू जिला सांसद राहुल कस्वां को एक पत्र भेजकर संसद के शीतकालीन सत्र में कोरोना काल में रोका गया डेढ़ वर्ष का महंगाई भत्ता दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में नरसाराम फलवाड़िया ने बताया है कि कोरोना काल में प्रदेश के 33 जिलों के पेंशनर्स, जिनमें चूरू जिले के 11 हजार 833 सेवानिवृत पेंशनरों का जनवरी 2020 से 4 प्रतिशत, 3 प्रतिशत जुलाई 2020 तथा 4 प्रतिशत जनवरी 2021 से महंगाई भत्ता केंद्र सरकार ने रोक लिया था। जुलाई 2021 से 11 प्रतिशत से सीधा 28 प्रतिशत कर दिया, इस प्रकार जनवरी 20, जून 20, और जनवरी 21 से तीन किश्तों का भुगतान इस आश्वासन के साथ की इन बकाया किश्तों का भुगतान बाद में कर दिया जाएगा, महंगाई भत्ता वर्ष में 2 बार जनवरी से जून में बढ़ाने का नियम है, जो अभी तक आश्वासन में अटका हुआ है। कोरोना काल में रोके गए महंगाई भत्ता के संबंध में अधिकांश पेंशनरों को मालूम ही नहीं है, कुछ पेंशनर इस दुनिया से चले गए, उनके परिवारजनों को ध्यान ही नहीं कि उनका बकाया है या नहीं। ज्ञापन में बताया गया है कि राजस्थान की उपमुख्यमंत्री व वित्तमंत्री राजस्थान सरकार, जयपुर दिनांक 18 जुलाई 2024 के द्वारा मांग की थी लेकिन केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए जाने पर ही राज्य सरकार अपने कार्मिकों को महंगाई भत्ता बढ़ाती है, अत: इस प्रकरण को संसद के शीतकालीन सत्र में प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जावे और बकाया महंगाई भत्ता दिलवाकर पेंशनर्स को राहत प्रदान की जावे।

गाँधी सेवा रत्न अवार्ड-2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

निसं

झुंझुनू/बुगाला (नवयत्न)। राष्ट्रीय साहित्यिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संस्था आदर्श समाज समिति इंडिया के तत्वावधान में होने वाले गाँधी सेवा रत्न अवार्ड-2026 राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। संस्था के अध्यक्ष धर्मपाल गाँधी ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाओं के चयन व पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मान समारोह प्रत्येक वर्ष 1 सितंबर को गाँधीवादी समाजसेवी, स्वतंत्रता सेनानी एवं आदर्श समाज के प्रणेता स्व. बजरंग लाल गाँधी की पुण्य स्मृति में आयोजित किया जाता है। समारोह का उद्देश्य समाज के उन उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपने कार्यों से राष्ट्र निर्माण, मानवता की सेवा और गाँधीवादी मूल्यों को सशक्त बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि गाँधी सेवा रत्न अवार्ड केवल एक सम्मान नहीं बल्कि सेवा, सत्य, अहिंसा, सामाजिक न्याय, समानता और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित व्यक्तित्वों के योगदान का राष्ट्रीय अभिनंदन है। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में प्रेरणादायी भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित प्रतिभाओं को शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं अनुसंधान, साहित्य एवं पत्रकारिता, कला एवं संस्कृति, योग, संगीत, नृत्यकला, खेल, शांति स्थापना, राष्ट्र सेवा तथा समाजसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ईमानदारी, पारदर्शिता और जनहित की भावना के साथ कार्य करने वाले राजनीति एवं राजकीय सेवा से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। गाँधी ने बताया कि इस वर्ष समारोह को और अधिक व्यापक एवं राष्ट्रीय स्वरूप दिया जा रहा है।

समाज की एकता और कुरीतियां मिटाने का दिया संदेश

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। त्रिवेणी धाम की श्री धन्ना जाट समाज धर्मशाला में श्री धन्ना भगत जाट समाज धर्मशाला ट्रस्ट के तत्वावधान में भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान धर्मशाला निर्माण में उल्लेखनीय सहयोग देने वाले 152 भामाशाहों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि त्रिवेणी धाम के संत खोजीद्वाराचार्य राम रिछपालदास महाराज, विशिष्ट अतिथि अरनिया रामपुरा रामसागर बालाजी मंदिर के टीला पीठाधीश्वर लावारामद्वाराचार्य हरिदेवाचार्य तथा धर्मशाला के संत बलरामदास के सान्निध्य में हुआ। समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष नृसिंह लाल कपूरिया ने की। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कैलाश बोबास्या ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सन्त धन्ना भगत की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद धर्मशाला निर्माण में सहयोग देने वाले 152 भामाशाहों का सम्मान किया गया। संत रामरिछपालदास महाराज ने कहा कि भामाशाहों का समय-समय पर सम्मान होने से समाज में सेवा और सहयोग की भावना को प्रोत्साहन मिलता है। विशिष्ट अतिथि हरिदेवाचार्य महाराज ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के साथ शिक्षा, संस्कार और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। अध्यक्ष नृसिंह लाल कपूरिया ने समाज की एकता, सहयोग और संगठन की भावना मजबूत करने का आह्वान किया। चंद्रभान पलसानिया ने ट्रस्ट के विकास कार्यों, धर्मशाला की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। समारोह में बाबूलाल रुण्डला, प्रेम देवी जाट, प्रहलाद पलसानिया, श्रवण भावरिया, राजेश सामोता, मुकेश रोलानिया, रामलाल पलसानिया, अर्जुन दादरवाल, सुगल जीतरवाल आदि मौजूद थे।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों को किया सम्मानित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाणी आशा में खेल गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। मेंटर श्रवण कुमार ने बताया कि जिला खेल स्टेडियम चूरू में आयोजित ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विद्यालय से 28 विद्यार्थियों ने भाग लिया। दल ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया। छात्रा लतिका, देवकी, विनोद, अनीता, कविता और छात्र प्रदीप, अमित, शिवरतन, मोहित ने जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल प्राप्त किए। एसएमसी, एसडीएमसी सदस्यों अभिभावकों और विद्यालय परिवार ने सभी खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। शारीरिक शिक्षक सावित्री ने खेल गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अंत में संस्था प्रधान बलवंत सिंह सिंहमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

निजी स्कूल संचालकों ने स्कूल बंद रखकर किया विरोध प्रदर्शन

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी ब्लॉक के निजी विद्यालय संचालकों ने आरटीई एवं शाला संबल योजना के विरोध में मंगलवार को अपने स्कूल बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया। झुंझुनू जिले के निजी शिक्षण संस्थानों द्वारा किए गए बंद के आह्वान के समर्थन में खेतड़ी ब्लॉक के सभी निजी स्कूल बंद रहे। स्कूल संचालक एवं शिक्षक बड़ी संख्या में झुंझुनू पहुंचकर जिला स्तरीय प्रदर्शन में शामिल हुए और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। इससे पूर्व निजी स्कूल संघ की बैठक आयोजित की गई थी जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि खेतड़ी ब्लॉक के सभी निजी विद्यालयों में अवकाश रखा जाएगा तथा स्कूल संचालक अपने स्टाफ के साथ झुंझुनू में आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि आरटीई एवं शाला संबल योजना से निजी विद्यालयों को विभिन्न प्रकार की प्रशासनिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से इन योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान करने तथा निजी शिक्षण संस्थानों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र सोनगरा ने की। उन्होंने बताया कि जिले के सभी निजी विद्यालयों ने एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने का निर्णय लिया है। उनका कहना था कि यदि सरकार ने शीघ्र ही मांगों पर विचार नहीं किया तो आगामी दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के माध्यम से निजी स्कूलों ने सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने का प्रयास किया और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग की। इस मौके पर राजेंद्र यादव, झाबरमल्ल, राजेश कुमार, राजेंद्र, पूर्णमल, ईश्वर लाल, ओमप्रकाश, उमराव, रामस्वरूप, रामसिंह, सुरेंद्र, रूपचन्द्र, मुकेश, लोकेश, रामजीलाल, परमानंद सहित अनेक लोग मौजूद थे।

दो नंबर फाटक पर टूटी सड़क से होते हैं हादसे

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय रेलवे फाटक संख्या दो पर फोर व्हीलर, टू व्हीलर वाहन एवं बड़े वाहन दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं और लोग चोटिल होते रहते हैं लेकिन फिर भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। कॉमरेड जगदीश नाथ ने बताया कि फाटक पर पानी भरा रहता है और भरे हुए पानी के अंदर सड़क टूटी हुई होने के कारण लोगों को गड्ढों का अंदाज नहीं होता, जिसके कारण वाहन चालक गिरकर चोटिल होते हैं। कई बार तो वाहनों में बैठे वृद्ध लोग काफी चोटिल होते हैं। यहां से गुजरने वाले राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और यह मुख्य सड़क 100 से अधिक गांवों को जोड़ने वाली सड़क है। जगदीश नाथ ने बताया कि शासन प्रशासन अधिकारी, कर्मचारी इसी रास्ते से गुजरते हैं फिर भी इस समस्या का समाधान की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। तो मेरा शासन प्रशासन से अनुरोध है कि जल्द से जल्द इस समस्या का स्थाई समाधान करके सुजानगढ़वासियों को राहत प्रदान की जाए।

भागवत कथा में मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। श्रीगोपालजी मंदिर चित्रकूट धाम नीमेड़ा में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान वामन अवतार (राजा बलि का प्रसंग) और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव (नंदोत्सव) की कथा सुनाई गई। पंडाल में कृष्ण जन्म की खुशी धूमधाम से मनाई गई। भगवान के जन्म पर नन्द के आनन्द भयो जय कन्हैया लाल की से पांडाल गंज उठा। भगवान के जन्म पर माखन मिश्री व मिश्री मावा का प्रसाद वितरण किया गया तो बच्चों के खिलोने टॉफी बांटी गई। हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की पर बच्चे झूम उठे। कथा व्यास बालकदास महाराज हरिद्वार ने कथा सुनाते हुए कहा कि जब-जब भी धरती पर आसुरी शक्ति हावी हुई, परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की। मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रुप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया। उन्होंने कहा कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है। कृष्ण जन्म के वर्णन पर समूचा पांडाल खुशी से झूम उठा। कथा सुनने श्रीमाधोपुर, खंडेला, होद, नीमेड़ा सहित आसपास गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। भाजपा नेता एवं भाजयुमो के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विजय चौहान ने मंगलवार को जिला कलेक्टर, डीडवाना-कुचामन अवधेश मीणा को ज्ञापन सौंपकर सुजानगढ़-लाडनूं मुख्य मार्ग पर लंबे समय से बनी जलभराव एवं पानी निकासी की गंभीर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि जिला चूरू एवं डीडवाना-कुचामन की सीमा पर स्थित सुजानगढ़-लाडनूं मुख्य मार्ग पर पिछले कई महीनों से लगभग दो फीट से अधिक जलभराव बना हुआ है। प्रशासन को इस संबंध में कई बार लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। विजय चौहान ने कहा कि लगभग 500 मीटर तक सड़क पर जलभराव रहने के कारण आमजन, राहगीरों, वाहन चालकों तथा अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को प्रतिदिन भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार जलभराव से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी हुई है तथा आवागमन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और स्थायी समाधान कर जनता को राहत प्रदान की जावे।

अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़ : 73 घरेलू सिलेंडर जब्त

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी में घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग, भंडारण और कालाबाजारी के खिलाफ जिला प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में मंगलवार को सांगानेर थाना क्षेत्र में की गई बड़ी कार्रवाई में 73 घरेलू गैस सिलेंडर, एक पिकअप वाहन, एक कार और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई। मौके पर अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करते मिले एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मुख्य सचिव एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला कलेक्टर संदेश नायक के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी, जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित सतर्कता दल ने सांगानेर थाना क्षेत्र के मनोरियावाला साहीपुरा में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रूप से रिफिलिंग किए जाने का खुलासा हुआ। सतर्कता दल ने मौके से 73 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। इसके अलावा गैस रिफिलिंग में प्रयुक्त एक पिकअप वाहन, एक कार और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। मौके पर मिले एक व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग और दुरुपयोग गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। विशेष रूप से रिहायशी क्षेत्रों में इस प्रकार की गतिविधियां आमजन के जीवन और संपत्ति के लिए बड़ा खतरा हैं। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध गैस रिफिलिंग, भंडारण और कालाबाजारी के विरुद्ध जिला प्रशासन का ऑपरेशन प्रवर्तन अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग, भंडारण या कालाबाजारी की गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल विभाग को दे, ताकि समय पर कार्रवाई कर जन सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सौरव मीणा हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। रामनगरिया थाना पुलिस ने सौरव मीणा उर्फ गोलू की हत्या के सनसनीखेज मामले में मुख्य आरोपित हरकेश मीणा को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने अपने साथियों के साथ मिलकर सौरव का अपहरण किया और करौली जिले के टोडाभीम क्षेत्र में ले जाकर डंडों, बेल्ट और कार के गेट से निकाली गई रबर से बेरहमी से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी शव को झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए थे फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने सौरव मीणा उर्फगोलू की हत्या के सनसनीखेज मामले में मुख्य आरोपित हरकेश मीणा निवासी टोडाभीम जिला करौली को धर-दबोचा है।

पुलिस जांच में सामने आया कि हरकेश मीणा और उसके साथियों ने सौरव मीणा उर्फ गोलू का कुंदनपुरा रेलवे फाटक से पीछा किया और जयपुरा गांव के पास झाड़ियों से घिरे खाली भूखंड में उसे पकड़ लिया। इसके बाद हरकेश ने अपने साथी प्रियांशू मीणा को फोन कर कार मंगवाई और सौरव को जबरन कार में डालकर दौसा होते हुए करौली जिले के टोडाभीम ले गए। वहां खेड़ी और मेरेड़ा गांव के पास सुनसान चारागाह एवं जंगल की कच्ची पगडंडी पर आरोपियों ने सौरव के साथ डंडों, बेल्ट और कार के गेट की रबर से बेरहमी से मारपीट की जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी शव को टोडाभीम बायपास से रंगलालपुरा और मिल्कीपुरा के खेतों के रास्ते नांगल लाट जाने वाली सड़क के पास खेत की मेड़ पर झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए। वारदात में प्रयुक्त कार लेकर आरोपी प्रियांशू मीणा भी फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। मुख्य आरोपी हरकेश मीणा घटना के बाद लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जयपुर के इंदिरा गांधी नगर क्षेत्र से उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस फरार आरोपी प्रियांशू मीणा और अन्य सहयोगियों की तलाश में जुटी है। आरोपी की गिरफ्तारी में थानाधिकारी चन्द्रभान सिंह, कांस्टेबल मुनेश कुमार, राहुल कुमार और सुशील कुमार की टीम ने कार्रवाई की जबकि कांस्टेबल शिवपाल की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही।

जगह-जगह लगाए पौधे

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर पर्यावरण गतिविधि के सौजन्य से राउप्रा विद्यालय पुष्प नगर, महावीर दल में सह जिला संयोजक शिवपाल सिंह के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। महावीर दल में आयोजित कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के लिए शिवपाल सिंह का दुपट्टा पहनाकर अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में शेखावत ने महावीर दल के लिए 10 फलदार व छायादार गुणवत्ता वाले पौधे की घोषणा की। कार्यक्रम संयोजक हरीश जीनगर ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण समय की आवश्यकता है। महावीर दल औषधिय पौधे की वाटिका व नवग्रह वाटिका भी तैयार कर रहें। इस अवसर मंत्री संतोष गोठवाल, कजौड़ गोठवाल, महावीर आदि उपस्थित रहें।

फिरौती के लिए अपहरण करने वाला सात साल से फरार इनामी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। रामनगरिया थाना पुलिस ने अपहरण और फिरौती के बहुचर्चित मामले में सात वर्ष से फरार चल रहे दो हजार रुपए के इनामी आरोपी वीपी सिंह मीणा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वर्ष 2019 में एक व्यापारी का अपहरण कर उसकी रिहाई के बदले पहले 17 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। बाद में सौदेबाजी के दौरान यह रकम घटाकर पहले पांच लाख और अंत में दो लाख रुपए कर दी गई थी। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने अपहरण और फिरौती के बहुचर्चित मामले में सात वर्ष से फरार चल रहे दो हजार रुपए के इनामी आरोपी वीपी सिंह मीणा निवासी डूंगरी जिला सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी चन्द्रभान सिंह ने बताया कि परिवादी गिरीश कुमार गर्ग ने रामनगरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके चाचा राजेश कुमार गुप्ता, निवासी गंगापुर सिटी, शाम को जयपुर पहुंचे थे। उन्होंने अपने मित्र मोहन वर्मा से दुर्गापुरा बस स्टैंड से जगतपुरा स्थित 7 नंबर बस स्टैंड तक छोड़ने का आग्रह किया। जगतपुरा बस स्टैंड पर उतरने के बाद आरोपी और उसके साथियों ने उनका अपहरण कर लिया। अगले दिन तड़के करीब सवा 4 बजे आरोपियों ने पीड़ित राजेश गुप्ता के मोबाइल फोन से उनकी पत्नी के मोबाइल नंबर पर लगातार कॉल कर 17 लाख रुपए की फिरौती मांगी। बाद में बातचीत के दौरान रकम पहले पांच लाख और फिर दो लाख रुपए तक कम कर दी गई। इस घटना के बाद आरोपी लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी नहीं होने पर अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रमांक-4, जयपुर महानगर प्रथम ने उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। जयपुर पुलिस ने आरोपी पर दो हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा था। पुलिस टीम ने आरोपी के संभावित ठिकानों, रिश्तेदारों और मुखबिरों से लगातार जानकारी जुटाई। आखिरकार सवाई माधोपुर जिले के डूंगरी गांव में दबिश देकर आरोपी वीपी सिंह मीणा को उसके पैतृक गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी में कांस्टेबल मुनेश कुमार और कांस्टेबल राहुल की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

बारिश ने दी गर्मी से राहत

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। कई दिनों के इंतजार के बाद शहर में झमाझम बारिश हुई है। मंगलवार को दोपहर में बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। वहीं आस-पास के क्षेत्र में स्थित खेतों की फसलों को भी इस बारिश से नई जान मिलेगी। किसानों ने कहा है कि एक दो बार अच्छी बारिश हो जाए तो किसानों को राहत मिले। हालांकि बारिश तो हुई है लेकिन यह फसल के लिए पर्याप्त नहीं है। दूसरी ओर शहर की गलियां पक्की सड़कों से युक्त होने के कारण निचले मोहल्लों में बारिश का पानी भर गया।

सम्पादकीय

प्रदर्शन का प्रोटोकॉल

करोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कोई नई-अनोखी बात नहीं कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार है। इससे सभी परिचित हैं, लेकिन समस्या यह है कि कई बार शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बहाने अराजकता का सहारा लिया जाता है-कभी खुलकर और कभी दबे-छिपे ढंग से। यही सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुआ। सीजेपी के समर्थक जब तक जंतर-मंतर पर बैठे रहे, तब तक कहीं कुछ नहीं हुआ। बात तब बिगड़ी, जब वे बिना अनुमति संसद की ओर कूच करने पर अड़ गए और पुलिस की ओर से रोके जाने के बाद बैरिकेडिंग तोड़ने और लांघने लगे।

इतना ही नहीं, सीजेपी समर्थकों की भीड़ में शामिल अराजक तत्वों ने पुलिस से धक्का-मुक्की और मारपीट करने के साथ उस पर पथराव भी शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस के पास आंसू गैस के गोले छोड़ने एवं लाठीचार्ज करने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह गया। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि वह भारी भीड़ का अनुमान नहीं लगा सकी और संभवत: उससे निपटने के पर्याप्त प्रबंध भी नहीं कर सकी। इसके ही नतीजे में उसकी ओर से अत्यधिक बल प्रयोग हुआ।

यही बाद में एक मुद्दा बन गया तो इसलिए और भी, क्योंकि कई छात्र-छात्राएं भी उसकी सख्ती की चपेट में आए और रैपिड एक्शन फोर्स की ओर से पैलेट गन का भी इस्तेमाल हुआ। इसके बाद भी इस तथ्य की अनदेखी न की जाए कि संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट ने जहां पुलिस की सख्ती पर सवाल उठाए, वहीं पुलिसकर्मियों पर हमले का भी संज्ञान लिया। चूंकि अपने समर्थकों की भीड़ में अराजक तत्वों के घुस आने की बात सीजेपी के पदाधिकारियों ने खुद भी मानी थी, इसलिए वे यह नहीं कह सकते कि उनका संसद मार्च पूरी तौर पर शांतिपूर्ण था। उनकी ओर से यह अल्टीमेटम देना विचित्र है कि यदि उनके समर्थकों पर एफआइआर दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी का सिलसिला नहीं थमा तो वे फिर से धरने पर बैठ जाएंगे। यदि वे यह चाहते हैं कि पुलिस हिंसा फैलाने वाले तत्वों को भी बख्श दे तो यह अराजकता के खुले समर्थन के अलावा और कुछ नहीं।

क्या सरकार ने उनसे यह वादा किया था कि वह अराजक तत्वों के खिलाफ भी कुछ नहीं होने देगी? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट यह सुनिश्चित करे कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के नाम पर अराजक तत्व बचने न पाएं। सुप्रीम कोर्ट ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का प्रोटोकाल बनाने की जो आवश्यकता जताई, उसकी पूर्ति वह स्वयं ही करे तो बेहतर। उसे यह भी देखना होगा कि इस प्रोटोकाल का पालन भी हो, क्योंकि अब शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान अराजकता का भी परिचय दिया जाने लगा है।

विशेष आलेख

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दु:ख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है। डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है।

भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुन: संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुन: सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी। भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है।

आज का राशिफल

मेष

दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। संतान पर अनावश्यक रोक न लगाएँ। धन लाभ होने की भी संभावना है। सामाजिक कार्यों में सीमित रहें।

वृष

व्यापारिक निर्णय लेने में देरी नहीं करना चाहिए। लाभ होगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

मिथुन

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक समस्याओं का हल आपके माध्यम से हो सकेगा।

कर्क

भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएँगे। दिनचर्या नियमित रहेगी। रिश्तेदारों से भेंट हो सकेगी। दूसरों की आलोचना, निंदा से दूर रहें। फालतू खर्च होगा।

सिंह

लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान संभव है।

कन्या

बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। आय-व्यय में असंतुलन की स्थिति बन सकती है। विरोधी परास्त होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला

व्यापार में नए प्रस्तावों से लाभ मिलने के योग हैं। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें।

वृश्चिक

प्रयास व सहयोग से अनुकूलता आएगी। पिता से व्यापार के विषय में मतभेद हो सकते हैं। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

धनु

स्वास्थ्य की समस्या सुलझेगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें।

मकर

रचनात्मक कार्यों का प्रतिफल प्राप्त होगा। व्यापार में उन्नति होगी। कानूनी विवादों का निपटारा होगा। बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी।

कुंभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें। सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी।

मीन

मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। इच्छित काम पूर्ण हो सकेंगे।

पर्यटन समाचार

पर्यटकों के लिए खास है मसूरी के यह खास हिल स्टेशन

तापमान में वृद्धि होते ही लोग उत्तराखंड की वादियों का लुत्फ लेने पहुंचने लगे हैं। वैसे तो लोग उत्तराखंड में नैनीताल और मसूरी जाना पसंद करते हैं, लेकिन इन दिनों ये जगहें पर्यटकों से खचाखच भरी हुई हैं। वीकेंड पर लोग बड़ी संख्या में मसूरी पहुंच रहे हैं। जबकि हरिद्वार से देहरादून हाईवे पर जबरदस्त जमा दिखता है। उत्तरी हरिद्वार से बहादराबाद तक लंबी लाइन लगी है। चंद किमी की दूरी तय करने में घंटों लग रहे हैं। पर्यटकों के यहां पहुंचने से इन जगहों की रौनक तो बेशक बढ़ गई हो, लेकिन लोगों का भीड़ के मारे बुरा हाल है। ऐसे में अगर आप भी उत्तराखंड घूमने आने की सोच रहे हैं, तो मसूरी के पास ऐसे कई खूबसूरत हिल स्टेशन है, जहां आप सुकून से छुट्टियां बिता पाएंगे। यहां न तो कोई शोर शराबा है न ही घंटों का जाम।

देहरादून घूमकर आएं

बात अगर फैमिली वैकेशन की हो, तो पहली कुछ चीजें जो दिमाग में आती हैं, वो हैं हरे पेड़, नीला आसमान, सर्द मौसम, बढ़िया भोजन और एक ऐसी जगह जहां आप अपनी सारी परेशानियों को भूल सकते हैं। देहरादून एक ऐसा ही हॉलिडे डेस्टिनेशन है। उत्तराखंड की राजधानी होने के साथ ही यह एक सुंदर हिल स्टेशन भी है। देहरादून दून घाटी में 410 मीटर की अलग-अलग ऊंचाई पर स्थित है। यह अपनी जलवायु और आस-पास के सुंदर नजारों के लिए जाना जाता है। मानसून में यहां जाने का अलग ही मजा है। यहां लगातार बारिश होने के कारण शहर को भारत का बरसाती शहर कहा जाता है।

हर्षिल

घूमने के साथ-साथ अगर आप प्रकृति का मजा लेना चाहते हैं, तो एक बार मसूरी के पास हर्षिल वैली जरूर जाएं। यहां की प्राकृतिक नजारा मन को न केवल तरोताजा कर देता है, बल्कि हमारे सारे तनावों को भी दूर करने में मदद करता है। गंगोत्री के रास्ते भागीरथी नदी के तट पर स्थित हर्षिल बर्ड वॉचिंग और ट्रेकिंग के लिए पर्यटकों के बीच मशहूर है। यह गांव समुद्र तल से 2620 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। देवदार और चीड़ के पेड़ों के बीच हिमालय का नजारा बहुत ही खूबसूरत दिखता है। हर्षिल के आसपास आप धराली, मुखवास गांव, साततात, गंगनानी और गंगोत्री भी घूमने जा सकते हैं।

कनातल जाएं

कनातल एक हिल स्टेशन है जो अपनी प्राचीन सुंदरता और एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए प्रसिद्ध है। दिल्ली, मसूरी, चंबा और ऋषिकेश से ये काफी पास है। इसलिए वीकेंड स्पेंड करने लोग यहीं सबसे ज्यादा जाते हैं। यह हिल स्टेशन समुद्र तल से 8500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और फोटोग्राफरों, प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग से कम नहीं है। यहां सुरकंडा देवी मंदिर देखने लायक है। इसके अलावा कोडिया फ़ॉरेस्ट और इको पार्क भी आपको जरूर देखना चाहिए। यहां आपको जंगली सूअर और गोरल देखने को मिलेंगे। यदि आप एडवेंचर लवर हैं, तो कनातल में कई रोमांचक एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं। यहां से थोड़ी ही दूरी पर रिवर राफ्टिंग के लिए शिवपुरी काफी फेमस है।

धनोल्टी भी जाएं

समुद्र तल से 2,250 मीटर की ऊंचाई पर चंबा-मसूरी रोड पर बसा धनोल्टी एक छोटा और खूबसूरत शहर है। देवदार, ओक और रोडोडेंड्रोन के विशाल पेड़ों के साथ यह हिल स्टेशन किसी स्वर्ग से कम नहीं लगता। शहर से थोड़ी दूर चलने पर आपको घास के मैदान, घने जंगल और कलकल करती नदियां दिखाई दे जाएंगी। यहां आप स्थानीय लोगों को पारंपरिक कपड़े और टोपी पहने हुए देख सकते हैं। इसके अलावा अगर आप यहां एक दिन का स्टे ले रहे हैं, तो गढ़वाली भोजन का स्वाद लिए बिना यहां से नहीं लौटना चाहिए। धनौल्टी एडवेंचर एक्टिविटीज जैसे स्काईवॉकिंग, जंगलों में ट्रेकिंग, जिप लाइनिंग, बाइकिंग या रैपलिंग के लिए फेमस है। लेकिन अगर आपको एडवेंचर पसंद नहीं हैं, तो आप धनोल्टी की सड़कों पर इत्मीनान से टहलते हुए अपनी शाम बिता सकते हैं।

औली घूमने की जगह

औली भी उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में स्थित एक रोमांचक हिल स्टेशन है। प्रकृति से चारों ओर से घिरे इस हिल स्टेशन का नजारा आंखों को सुकून देता है। यहां जंगली फूल और देवदार, ओक, शंकुधारी के जंगल बहुत ज्यादा हैं। औली जा रहे हैं, तो यहां के रोपवे का इस्तेमाल जरूर करें। क्योंकि यह न केवल भारत में बल्कि पूरे एशिया में सबसे ऊंचा और सबसे लंबा रोपवे है। औली की आर्टिफिशियल झील दुनिया की सबसे ऊंची मानव निर्मित झीलों में से एक है। इसके अलावा चत्रकुंड और चिनाब झील भी देखने लायक हैं। औली को भारत की स्कीइंग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है, तो अब आप सोच ही सकते हैं कि यहां आपकी छुट्टियां कैसी बीतने वाली हैं।

बरसात में बिताना चाहते हैं परफेक्ट वेकेशन तो लिस्ट में शामिल करें यह टूरिस्ट स्पॉट्स

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में इस समय का कहर जारी है। ऐसे में लोग बेसब्री से मानसून का इंतजार कर रहे हैं। मानसून आने से जहां लोगों को चिलचिलाती धूप और गर्मी से राहत मिलेगी, तो वहीं प्रकृति के खूबसूरत नजारे भी देखने को मिलेंगे। कुछ ही दिनों में मानसून का सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में कई लोग बरसात के इस मौसम में वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जिन्हें बारिश में घूमना पसंद है और जल्द ही वेकेशन पर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो अपनी डेस्टिनेशन में इन जगहों को जरूर शामिल करें।

गोवा : अपने समुद्र तटों के लिए मशहूर गोवा देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में लोगों का पसंदीदा टूरिस्ट स्पॉट है। वैसे तो यहां साल के किसी भी महीने में जा सकते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में यहां आने का मजा दुगना हो जाता है। तो अगर आप भी बरसात में दोस्तों या पार्टनर के साथ एंजॉय करना चाहते हैं, तो गोवा जरूर जाएं।

शिलांग : देश के नॉर्थ ईस्ट में मौजूद शिलांग एक मशहूर हिल स्टेशन है। जहां बरसात में कई लोग जाना पसंद करते हैं। पूर्व का स्कॉटलैंड कही जाने वाली इस जगह पर बरसात में जाने का अपना अलग ही मजा है। इस सीजन में आप यहां हरियाली और जयंती पहाड़ियों के मनोरम दृश्य का लुत्फ उठा सकते हैं।

लोनावला : महाराष्ट्र स्थित लोनावला भी बरसात में घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यह राज्य का एक मशहूर हिल स्टेशन है, जहां हर साल भारी संख्या में टूरिस्ट घूमने आते हैं।

कुर्ग : बरसात के खूबसूरत मौसम में अगर आप किसी ऐसी जगह पर छुट्टियां बिताना चाहते हैं, जो आपको सुकून और शांति का अनुभव, तो कर्नाटक के कूर्ग जा सकते हैं।

बेस्ट हैं यह हनीमून डेस्टिनेशन, हसीन वादियों में पार्टनर संग बिता सकेंगे क्वालिटी टाइम

शादियां शायद ही कोई होगा जिसे अच्छी लगती हों। उमस और चिपचिपहट से भरा गर्मियों का मौसम न सिर्फ न मेहमानों बल्कि दूल्हा-दुल्हन को भी बेहाल कर देता है। हालांकि गर्मियों में लोग हनीमून का प्लान टाल देते हैं, क्योंकि गर्मियों में घूमने का सारा मजा किरकिरा हो जाता है। ऐसे में अगर आपकी गर्मियों में शादी हुई है और आप हनीमून प्लान कर रहे हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं।

दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल : अगर आप भी गर्मियों में हनीमून के लिए किसी ठंडी जगह पर जाना चाहते हैं तो आपको दार्जिलिंग जाना चाहिए। यह भारत के नॉर्थ ईस्ट में हैं। दार्जिलिंग में हनीमून मनाने का अनुभव अनूठा होगा। यह यात्रा आपको ब्रिटिश राज के दिनों में वापस ले जाएगी। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ फ्लोटिंग क्लाउड्स, टॉय ट्रेन गोंडोला राइड और हरे-भरे चाय के बागानों घूमने का लुत्फ उठा सकते हैं। दार्जिलिंग में आप अपने पार्टनर के साथ खूबसूरत पल बिता सकेंगे।

ऊटी : अगर आप साउथ में कही घूमने का प्लान बना रहे हैं। तो ऊटी बेस्ट जगह है। बता दें कि यह तमिलनाडु का छोटा सा राज्य है, जिसे हिल स्टेशन के तौर पर जाना जाता है। यह जगह बागानों के लिए काफी फेमस है। ऊटी में आप मोती लेक, एमराल्ड लेक, रोज गार्डन, बॉटनिकल गार्डन , सेंट स्टीफन चर्च देख सकते हैं।

औली, उत्तराखंड : गर्मियों में हनीमून पर जाने के लिए औली सबसे खूबसूरत जगहों में आती है। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के चमोली जिले में स्थित यह एक शानदार हिमालयी डेस्टिनेशन है। यहां का मौसम आपकी न्यूली वेड लाइफ को स्पेशल बनाता है। गर्मियों में यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूम सकते हैं। साथ ही कई कई तरह की एक्टिविटीज में पार्टिसिपेट कर सकते हैं। भारत के सबसे अच्छे स्कीइंग डेस्टीनेशन में औली का नाम शामिल है। गर्मियों में मौसम में भी आपको ठंड का एहसास होगा।

माउंट आबू : माउंट आबू हनीमून कपल्स के लिए एक रोमांटिक जगह है। बता दें कि यह एक ऐसा हनीमून डेस्टिनेशन है, जहां पर कपल्स सुकून के पल बिता सकते हैं। यह हिल स्टेशन खूबसूरत होने के साथ किफायती भी है।

आवासीय मकानों के पास से हाई वोल्टेज लाइन निकालने का विरोध

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। बिजली विभाग द्वारा एक कंपनी विशेष के लिए आम जनता को खतरे में डालकर 11 हजार केवी की लाइन श्याम बाबा मंदिर के सामने से डाली जा रही है जो कि घनी आबादी क्षेत्र में वाणिजिक उद्देश्य के लिए उपयोग की जाएगी। मंदिर कमेटी ने ग्राम पंचायत से पूछा तो ग्राम पंचायत ने बताया कि यह कार्य बिना ग्राम पंचायत की अनुमति व संज्ञान के किया जा रहा है। विद्युत पोल लगाने के लिए सड़क को जगह-जगह से क्षतिग्रस्त कर दिया है।

11 हजार केवी की लाइन श्याम बाबा मंदिर के सामने से गुजरेगी जिससे भविष्य में मंदिर में उत्सवों पर डेकोरेशन होने पर दुर्घटना व जनहानि होने की पूरी संभावना है। जन याचिका में बिजली विभाग और उच्च अधिकारी को बताया तो उन्होंने कथित रूप से प्रति उत्तर में कहा कि भविष्य में दुर्घटना या जन हानि होने के बाद हम कार्यवाही करेंगे। ज्ञापन में बताया गया है कि मंदिर में प्रति द्वादशी एवं विशेष दिवसों पर वर्ष भर बड़े उत्सव होते रहते है जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

सारोठिया के ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। ग्राम पंचायत सारोठिया में ग्रामीण सेवा शिविर का फॉलो ऑफ कैंप आयोजित किया गया। शिविर प्रभारी एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी एवं शिविर में होने वाले कार्यों के बारे में बताया। शिविर में चिकित्सा विभाग द्वारा 245 लोगों की जांच की गई एवं एलसीडी जांच 220 टीवी स्क्रीनिंग 175 और आयुर्वेदिक विभाग द्वारा 760 लोगों को चिकित्सा एवं परामर्श दिया गया। पशुपालन विभाग द्वारा 130 पशुपालकों को दवा वितरण व उपचार किया गया।

राजस्व विभाग द्वारा खाता शुद्धिकरण के 5 कार्य, 16 इंतकाल, रास्ता प्रकरण 1 के कार्य हुए। शिविर में ग्रामीण व पंचायत राज विभाग द्वारा जन्म प्रमाण पत्र 10, विवाह पंजीयन 3, मृत्यु प्रमाण पत्र 2, जॉब कार्ड 4 जारी किए गए। शौचालय निर्माण हेतु 5 आवेदन, प्रधानमंत्री आवास की पात्रता सूची में नाम जुड़वाने के 13 आवेदन प्राप्त किए गए और 6 पट्टे जारी किए गए। शिविर में तहसीलदार अर्जुन लाल सालोदिया, विकास अधिकारी गणेशाराम जाखड़, सहायक विकास अधिकारी, ठाकुरमल कताला, जीवन राम नेहरा, विडीओ योगेश गोदारा, प्रशासक प्रतिनिधि सोनूत्तम और 18 विभागों के कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

Office of Block Chief medical officer, Neem Ka Thana

NHM/2026/380 Date: 22/7/2026

Notice Inviting Bid

Bids are Invited for Rate Contract for the Financial year 2026-27 for Lab Technicine & Man With Machine Items interested bidders upto 01:00 pm dated 30-07-2026. Other Particlulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state and notice board. The approximate Value Of The Procument Is Rs. 03.70 Lacs (Three Lacs Seventy Thousand only)
NIB NO.- ?HS2627A2011
UBN NOS. MHS2627SSOB02764

(Dr. Bhupendra Singh)
Block Chief medical officer
Neem Ka Thana

DIPR/C/12981/2026

कार्यालय नगरपालिका रामगढ-शेखावाटी जिला सीकर (राज.)

बाईपास न्यू बस स्टेण्ड रोड, Ph-1571240246 ramgarh.jaipur@gmail.com

क्रमांकः- न.पा.रा/26-27/268 दिनांक :- 24.07.2026

लघु अवधि निविदा सूचना 56

एदत् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका रामगढ शेखावाटी द्वारा सक्षम श्रेणी मे पंजिकृत संवेदको से निविदा दरें आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी लोक उपापन पोर्टल http://sppp.raj.nic.in पर NIB Code DLB2627A4795 Bid Title / (UBN)DLB2627GSOB11438, DLB2627GSOB11440, DLB2627WSOB11442 एवं कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

नोटः- निविदा में RTPP Act 2012 & Rules 2013 के नियम लागु होगे।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रामगढ (सीकर)

राज.संवाद/सी/26/7730

कार्यालय नगरपालिका श्रीमाधोपुर सीकर (राज0)

E-mail – shrimadhopur.jaipur@yahoo.com Ph. No. 01575-250016

क्रमांक/नपाश्रीमा./2026-27/928 दिनांक :- 24.07.2026

निविदा सूचना

सर्वसाधारण पंजीकृत फर्म/ठेकेदारो को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका द्वारा वर्ष 2026-27 में आवश्यक सेवायें ली जाने/आवश्यक सामान क्रय किये जाने की दर संविदा किये जाने हेतु निविदा फार्म निविदा प्रकाशन से विक्रय तिथी 27.07.2026 को दोपहर 12.00 बजे से दिनांक 29.07.2026 को प्रातः 11.00 बजे तक विक्रय की जावेंगी एवं दिनांक 29.07.2026 को दोपहर 2.00 बजे तक सीलबन्द लिफाफे में प्रस्तुत करने होगें, प्राप्त सीलबन्द निविदाऐं दिनांक 30.07.2026 को दोपहर 11.30 बजे से उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेंगी। उक्त तिथी को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को निविदा प्रति विक्रय/प्राप्त/खोली जावेगी। उक्त निविदा सूचना http://sppp.raj.nic.in पोर्टल पर दिनांक 24.07.2026 से देखी जा सकती है। उक्त कार्य की एनआईबी कोड व यूबीएन निम्नानुसार हैं :-

NIB code : - DLB2627A4714
UBN : - DLB2627WSOB11254

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका श्रीमाधोपुर

राज.संवाद/सी/26/7810

कार्यालय ग्राम पंचायत रोडू पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांकः 2026-27/187 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 43/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत रोडू में वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकसित भारत-जी रामजी योजना एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0559 UBN-ZNR2627GLOB00745

प्रशासक
ग्राम पंचायत रोडू
पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रोडू
पंचायत समिति लाडनूँ

कार्यालय ग्राम पंचायत हुडास पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांकः 2026-27/50 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 59/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत हुडास में वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी)एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0577 UBN-ZNR2627GLOB00770

प्रशासक
ग्राम पंचायत हुडास
पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत हुडास
पंचायत समिति लाडनूँ

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जतिन शाह पुत्र सुरेश कुमार शाह जाति महाजन निवासी उदयपुरवाटी तहसील उदयपुरवाटी जिला झुंझुनू के दुकान क्षेत्रफल 240 वर्ग फिट वाके खसरा न. 2745 कस्बा वार्ड नं. 11 उदयपुरवाटी तहसील उदयपुरवाटी जिला झुंझुनू में स्थित है उक्त दुकान जतिन शाह ने जरिये उपहार पत्र दिनांक 07.07.2022 को सुरेश कुमार शाह पुत्र पुर्णमल शाह से उपहार स्वरूप प्राप्त किया था। उक्त दुकान का पिछे की चैन का उक्त असल पट्टा दिनांकित 17.09.1998 उपहार कर्ता सुरेश कुमार के नाम से बना हुआ था जो कही गुम हो गया है। उक्त असल पट्टा किसी के पास हो या किसी को मिला हो तो उक्त असल पट्टा मुझे या मेरे मुवकिल को लोटा देवें। उक्त दुकान पर जतिन शाह पुत्र सुरेश कुमार शाह जाति महाजन निवासी उदयपुरवाटी तहसील उदयपुरवाटी जिला झुंझुनू किसी वित्तिय संस्था से लोन ले या गिरवी रखे, तो उक्त दुकान पर लोन लेने या स्वामित्व संबंधी किसी को कोई आपत्ती/एतराज हो तो मुझे सात दिवस में सूचना देवें अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार के एतराज/उज्र पर विचार नही किया जावेगा।

प्रकाश कुलहरी एडवोकेट,
मोबाईल नं. 9413434882

To

Regt. No. 120782193 (UIN 13100220)
Constable (GD) Chandra Pal,
S/o Sh. Mahipal, Vill- Ramnathpura, PO- Bhobia,
PS-Pilani, Distt- Jhunjhunu (Rajasthan) PIN-333030.

SUBJECT-2nd SHOW CAUSE NOTICE UNDER RULE-21,

Whereas, you were granted 18 days Earned Leave w.e.f. 27.01.2026 to 13.02.2026 (AN) with permission to avail Prefix on 23.01.2026 RH, on 24.01.2026 being Saturday, on 25.01.2026 being Sunday & on 26.01.2026 being GH and Suffix on 14.02.2026 being Saturday, on 15.02.2026 being Sunday, and presently you are overstaying from leave w.e.f. 16.02.2026 (AN) without prior permission of competent authority

2. And whereas, on expire of the said leave, you failed to rejoin duties in FTR Hqr SSB Lucknow and two re-joining letters were issued to you at your home/leave address vide Memorandum No.BE/FTRL/PF/CT(GD)Chanderpal/-7609-10 dated 27.02.2026 and BE/FTRL/PF/CT(GD) Chanderpal/-8730-31 dated 10.03.2026 with directions to resume duties at FTR Hqr SSB Lucknow immediately but neither had you reported to join the duty nor did you submit any reply in this regard.

3. And whereas, a Court of Inquiry was ordered vide order No. BE/CT/GD/Chanderpal/FTRL/2025/-9635-40 dated 19.03.2026 under Section 74(1) of SSB Act and on the basis of Court of Inquiry, I am satisfied of the facts of such absence without due authority and the deficiency in government property (Govt. kit items and Service I/Card bearing No. 241387).

4. And whereas, two Apprehension Roll were issued to concerned Police Authority to apprehend you vide letter No.BE/CT/GD/Chanderpal/FTR/2025/-11973-77 dated 18.04.2026 and No. BE/CT/GD/Chanderpal/FTR/2025/-12913-18 dated 28.04.2026. You have not reported for duty after the said declaration by the Court of Inquiry and also not surrendered or apprehended by the Police as such you are deemed to be a deserter within the ambit of Section-74 (1) of the said Act vide No. BE/CT/GD/Chanderpal/FTRL/2025/13985-92 dated 11.5.2026 and the said offence is punishable under SSB Act, 2007.

6. And whereas, in the facts and circumstances of the case, the undersigned is satisfied that your trial by Force Court for the said offence of desertion under the SSB Act is inexpedient and impracticable, and is of the tentative opinion that your further retention in the service is undesirable.

7. And whereas, as copy of the Court of Inquiry referred to in para-4 above containing statements of witnesses, and nature of allegations are annexed hereto as Annexure-I.

8. In view of the above, you are hereby called upon to submit in writing your explanation and defence in respect of above allegation(s) by 02.08.2026 as to why action to dismiss or remove you tentatively from service for said mis-conduct should not be initiated against you under Rule-21 of the SSB Rules 2009. In case, you fail to file any reply within the stipulated period, it shall be presumed that you have nothing to put forth in your defence and action to terminate your services as proposed above within the ambit of SSB Rule-21 shall be initiated against you ex-parte.

Place: FTR, Hqr, SSB, Lucknow.
Dated: 18.07.2026

Sd/-18.07.2026
(Commandant)
59th Bn SSB, Nanpara
(Holding the statutory power
of FTR Hqrs SSB, Lucknow)

कार्यालय ग्राम पंचायत रामपुरा पं.स. नवलगढ़, जिला झुन्झुनूं

क्रमांक : ग्रा.प./लेखा/निविदा/2026-27/67 दिनांक :- 24.07.2026

ई-निविदा सूचना

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति नवलगढ़ के अधीनस्थ ग्राम पंचायत रामपुरा में विभिन्न कार्य हेतु राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियमों के तहत नियम 181 में ग्राम पंचायत स्तर पर इच्छुक संवेदकों/निविदादाताओं से जी.एस.टी. पंजीकृत एवं सक्षम श्रेणी में पंचायतीराज विभाग, राजकीय विभाग एवं राजकीय उपक्रम में पंजिकृत फर्मों/संवेदकों से निर्माण कार्य करने हेतु ई निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है।

ई-निविदा संख्या	NIB CODE	UBN CODE	TENDER ID
03/2026-27	ZJU2627A0475	ZJU2627WSOB00921	2026_PRD_578475_1
04/2026-27	ZJU2627A0477	ZJU2627WSOB00926	2026_PRD_578483_1

निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत रामपुरा से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल एवं http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत रामपुरा
पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रामपुरा
पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

कार्यालय ग्राम पंचायत गिरधरपुरा शाहपुरा पं.स. नवलगढ़, जिला झुन्झुनूं

क्रमांक : ग्रा.प./लेखा/निविदा/2026-27/144 दिनांक :- 27.06.2026

ई-निविदा सूचना

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति नवलगढ़ के अधीनस्थ ग्राम पंचायत गिरधरपुरा शाहपुरा में विभिन्न कार्य हेतु राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियमों के तहत नियम 181 में ग्राम पंचायत स्तर पर इच्छुक संवेदकों/निविदादाताओं से जी.एस.टी. पंजीकृत एवं सक्षम श्रेणी में पंचायतीराज विभाग, राजकीय विभाग एवं राजकीय उपक्रम में पंजिकृत फर्मों/संवेदकों से निर्माण कार्य करने हेतु ई निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है।

ई-निविदा संख्या	NIB CODE	UBN CODE	TENDER ID
04/2026-27	ZJU2627A0473	ZJU2627WSOB00918	2026_PRD_578387_1
05/2026-27	ZJU2627A0474	ZJU2627SSRC00919	2026_PRD_578400_1

निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत गिरधरपुरा शाहपुरा से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल एवं http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत गिरधरपुरा शाहपुरा
पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत गिरधरपुरा शाहपुरा
पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

कार्यालय ग्राम पंचायत लेड़ी पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांकः 2026-27/44 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 54/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत लेड़ी में वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी) एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0579 UBN-ZNR2627GLOB00772

प्रशासक
ग्राम पंचायत लेड़ी
पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लेड़ी
पंचायत समिति लाडनूँ

गुरु शिष्य परंपरा का उत्सव है

गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा गुरु व शिष्य की परंपरा के लिए विशेष उत्सव होता है। गुरु अपने ज्ञान से शिष्य को सही मार्ग पर ले जाते हैं। इसलिए गुरुओं के सम्मान में हर वर्ष यह पर्व मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु के अलावा भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। उनकी जन्मतिथि के उपलक्ष्य में पूजा की जाती है।

गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्यों सप्तऋषियों को सबसे पहले योग का ज्ञान प्रदान किया था। इस प्रकार आदियोगी शिव इस दिन आदि गुरु यानी पहले गुरु बने। सप्तऋषि इस ज्ञान को लेकर पूरी दुनिया में गए। आज भी धरती की हर आध्यात्मिक प्रक्रिया के मूल में आदियोगी द्वारा दिया गया ज्ञान ही है। गुरु साधक के अज्ञान को मिटाता है। ताकि वह अपने भीतर ही सृष्टि के स्रोत का अनुभव कर सके। पारंपरिक रूप से गुरु पूर्णिमा का दिन वह समय है जब साधक गुरु को अपना आभार अर्पित करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। योग साधना और ध्यान का अभ्यास करने के लिए गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है। इसके दो अक्षरों गुरू में गु शब्द का अर्थ है अज्ञान। रु शब्द का अर्थ है आध्यात्मिक ज्ञान का तेज जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता है। संक्षेप में गुरु वे हैं जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तृप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है। वैसे ही गुरु-चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सिख धर्म में भी गुरु को भगवान माना जाता है। इस कारण गुरु पूर्णिमा सिख धर्म का भी अहम त्यौहार है। सिख धर्म केवल एक ईश्वर और अपने दस गुरुओं की वाणी को ही जीवन का वास्तविक सत्य मानता है।

आषाढ़ की पूर्णिमा को चुनने के पीछे गहरा अर्थ है कि गुरु तो पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह हैं। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आषाढ़ के बादलों की तरह। आषाढ़ में चंद्रमा बादलों से घिरा रहता है जैसे बादल रूपी शिष्यों से गुरु

घिरे हों। गुरू अंधेरे में भी चांद की तरह चमक सके। उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा का महत्व है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रति वर्ष गुरु पूर्णिमा उत्सव अपनी सभी शाखाओं पर मनाता है। संघ के छह उत्सवों में से एक गुरु पूर्णिमा भी है। गुरु पूर्णिमा के दिन देश में संघ की सभी शाखाओं पर स्वयंसेवक इस उत्सव को मनाएंगे। संघ के स्वयंसेवक किसी व्यक्ति को नहीं बल्कि भगवा ध्वज को अपना गुरु मानते हैं। उस दिन भगवा ध्वज की पूजा करने के साथ-साथ गुरु के प्रति जो भी बनता है समर्पण भी करते हैं। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने स्वयंसेवकों के लिए गुरु पूजा प्रारंभ की। यह गुरु कोई व्यक्ति नहीं बल्कि भगवा ध्वज है। संघ तत्व पूजा करता है व्यक्ति पूजा नहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने गुरु के स्थान पर भगवाध्वज को स्थापित किया है। भगवाध्वज त्याग, समर्पण का प्रतीक है। स्वयं जलते हुए सारे विश्व को प्रकाश देने वाले सूर्य के रंग का प्रतीक है। संपूर्ण जीवों के शाश्वत सुख के लिए समर्पण करने वाले साधु, संत भगवा वस्त्र ही पहनते हैं। इसलिए भगवा, केसरिया त्याग का प्रतीक है।

महान संत कबीरदास जी ने गुरु के महत्व को इस तरह बताया है-

गुरू गोविन्द दोऊ खड़े काके लागु पांय,
बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय।

अर्थात यदि भगवान और गुरु दोनों सामने खड़े हो तो गुरु के चरण पहले छूना चाहिये क्योंकि उसने ही ईश्वर का बोध करवाया है। गुरु का स्थान भगवान से भी ऊंचा है। प्रसिद्ध सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य को अपना गुरु बनाकर ही राज सिंहासन पाया था। इतिहास में हर महान राजा का कोई न कोई गुरु जरुर था। गुरु और शिष्य का रिश्ता बहुत मधुर होता है। प्राचीन भारत में आज की तरह स्कूल, कॉलेज नहीं होते थे। उस समय गुरुकुल प्रणाली द्वारा शिक्षा दी जाती थी। समाज के सभी वर्गों के बालक गुरुकुल जाकर शिक्षा प्राप्त करते थे। वो गुरुकुल (आश्रम) में ही रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे।

नेपाल में इसे गुहा पूर्णिमा के रूप में मनाते है। छात्र अपने गुरु को स्वादिस्ट व्यंजन, फूल मालाएं, विशेष रूप से बनाई गयी टोपी पहनाकर गुरु का स्वागत करते है। स्कूल में गुरु की मेहनत को प्रदर्शित करने के लिए मेलो का आयोजन किया जाता है। इस दिवस को मनाकर गुरु-शिष्य का रिश्ता और भी मजबूत हो जाता है। गुरु का आशीर्वाद सबके लिए कल्याणकारी व ज्ञानवर्धक होता है। इसलिए इस दिन गुरु पूजन के उपरांत गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

आज के भागदौड़ भरे भौतिकतावादी समाज में हमे गुरु की बहुत अधिक जरूरत होती है। गुरु का महत्व सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में ही नही बल्कि व्यापक अर्थ में देखने को मिलता है। अब तो आध्यात्मिक शांति के लिए अनेक लोग किसी न किसी गुरु की शरण में चले जाते है। इसलिए हर भटके हुए व्यक्ति को सही मार्ग दिखाने का काम गुरु की कर सकता है। इसलिए गुरु का अर्थ बहुत व्यापक और बड़ा है। हम सभी को अपने गुरु जनों को कोटि-कोटि प्रणाम करना चाहिये। उन्होंने जो ज्ञान हमे दिया उनका मूल्य कभी भी नही चुकाया जा सकता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु यंत्र की स्थापना करने से जीवनभर सौभाग्य में कमी नहीं होती है। हर कार्य पूरे होते हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलती है। गुरु पूर्णिमा उन सभी आध्यात्मिक और अकादमिक गुरुजनों को समर्पित परम्परा है। जिन्होंने कर्म योग आधारित व्यक्तित्व विकास को प्रबुद्ध करने, बहुत कम अथवा बिना किसी मौद्रिक खर्चे के अपनी बुद्धिमता को साझा करने के लिए तैयार हों। गुरू पूर्णिमा को भारत, नेपाल और भूटान में हिन्दू, जैन और बोद्ध धर्म के अनुयायी उत्सव के रूप में मनाते हैं। महात्मा बुद्ध ने इस दिन उत्तर प्रदेश के सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था।

सनातन भारतीय संस्कृति में गुरुपूर्णिमा का विशेष महत्व

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में आस्था रखने वाले व्यक्तियों के लिए उनके जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊंचा माना गया है। परम पूज्य गुरुदेव जीवन में आने वाले विभिन्न संकटों से न केवल उबारते हैं बल्कि इस जीवन को जीने की कला भी सिखाते हैं ताकि इस जीवन को सहज रूप से जिया जा सके। गुरु ही अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने की क्षमता रखते हैं। भारत के मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों में इसलिए प्रत्येक वर्ष व्यास पूर्णिमा के दिन गुरु पूजन का विशेष पर्व मनाया जाता है एवं इस शुभ दिन पर गुरुओं की पूजा अर्चना की जाती है ताकि उनका आशीर्वाद सदैव उनके भक्तों पर बना रहे। कई मंदिरों में गुरु पूजन एवं ध्वजा वंदन के समय कई गीत भी गाए जाते है, जैसे हम गीत सनातन गाएंगे, हम भगवा ध्वज लहराएंगे।

यदि भारत के गौरवशाली इतिहास पर नजर दौड़ाते हैं तो ध्यान में आता है कि हिंदू सनातन संस्कृति के अंतर्गत कई महानुभावों को गुरु के आशीर्वाद एवं सानिध्य से ही देवत्व की प्राप्ति हुई है। दूसरे शब्दों में, देवत्व प्राप्त करने के लिए इन महानुभावों को गुरु के श्रीचरणों में जाना पड़ा है। इस प्रकार के कई उदाहरणों से हमारा इतिहास भरा पड़ा है। जैसे, भीष्म को भीष्म बनाने में ऋषि परशुराम की अहम भूमिका रही थी। चाणक्य ने चंद्रगुप्त को गढ़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। समर्थ स्वामी रामदास ने शिवाजी महाराज को राष्ट्रवादी राजा बनाया था। स्वामी विवेकानंद ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस से दीक्षा ली थी एवं उनके सानिध्य में ही अपना जीवन प्रारम्भ किया था। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि शताब्दियों पूर्व, आषाड़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को महर्षि वेद व्यास जी का इस धरा पर अवतरण हुआ था।महर्षि वेद व्यास ने वैदिक ऋचाओं का संकलन कर इनका चार वेदों (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद) के रूप में वर्गीकरण किया था। साथ ही, 18 पुराणों, 18 उप-पुराणों, उपनिषदों, बृह्मसूत्र, महाभारत आदि अतुलनीय ग्रंथों को लेखनबद्ध करने का श्रेय भी महर्षि वेद व्यास को ही दिया जाता है। महान भारतीय परम्परा के अनुसार शिष्य, अपने गुरु का पूजन करते हैं। अतः गुरु वेद व्यास के शिष्यों ने भी सोचा कि महर्षि वेद व्यास का पूजन किस शुभ दिन पर किया जाय। बहुत गहरे विचार विमर्श के पश्चात समस्त शिष्य सहमत हुए कि क्यों न गुरु वेद व्यास के इस धरा पर अवतरण दिवस पर ही पूज्य गुरुदेव का पूजन किया जाय। इस प्रकार, गुरु वेद व्यास के शिष्यों ने इसी पुण्यमयी दिवस को अपने गुरु के पूजन का दिन चुना। यही कारण है कि गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। तब से लेकर आज तक हर शिष्य अपने गुरुदेव का पूजन वंदन इसी शुभ दिवस पर करता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शंकर ने सप्तऋषियों को योग की दीक्षा देना भी इसी दिन से प्रारम्भ किया था। प्राचीन काल में भारत के गुरुकुलों में गुरु पूर्णिमा को एक विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता था। गुरु पूर्णिमा के दिन केवल उत्सव नहीं, बल्कि महोत्सव होता था। गुरूकुल से सम्बंधित दो सबसे मुख्य कार्य गुरु पूर्णिमा के दिन ही सम्पन्न किए जाते थे। एक तो गुरु पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त पर ही नए छात्रों को गुरूकुल में प्रवेश प्रदान किया जाता था। यानी गुरु पूर्णिमा दिवस गुरूकुल में छात्र प्रवेश दिवस के रूप में मनाया जाता था। सभी जिज्ञासु छात्र इस दिन हाथों में समिधा लेकर पूज्य गुरुदेव के समक्ष आते थे। प्रार्थना करते थे कि हे गुरुवर, हमारे भीतर ज्ञान ज्योति प्रज्वलित करें। हम उसके लिए स्वयं को समिधा रूप में अर्पित करते हैं। दूसरे, गुरु पूर्णिमा की मंगल बेला में ही छात्रों को स्नातक उपाधियां प्रदान की जाती थीं। यानी गुरु पूर्णिमा के दिन ही गुरुकुलों में दीक्षांत समारोह के आयोजन किए जाते थे। जो छात्र गुरु की सभी शिक्षाओं को आत्मसात कर लेते थे और जिनकी कुशलता व क्षमता पर गुरु को संदेह नहीं रहता था उन्हें इस दिन उपाधियां प्रदान की जाती थीं। वे गुरु चरणों में बैठकर प्रण लेते थे कि हे गुरुवर, आपके सान्निध्य में रहकर, आपकी कृपा से हमने जो ज्ञान अर्जित किया है, उसे लोक हित और कल्याण के लिए ही उपयोग करेंगे। अपने परम पूज्य गुरुदेव को दक्षिणा देकर छात्र अपने कार्य क्षेत्र में उतरते थे। इस प्रकार प्राचीन काल में गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुकुलों में गुरु का कुल बढ़ता भी था और विश्व में फैलता भी था। गुरु पूर्णिमा न केवल हिंदू धर्मावलम्बियों द्वारा एक पवित्र एवं अतिमहत्वपूर्ण त्यौहार के रूप में मनाया जाता है बल्कि जैन एवं बौद्ध धर्मावलम्बियों के लिए भी गुरु पूर्णिमा का दिन विशेष महत्व का माना जाता है। जैन धर्म में 24 तीर्थंकर हुए हैं। भगवान महावीर 24वें व परम तीर्थंकर के रूप में अभिवादित हैं। जैन धर्म के इतिहास में यह वर्णन भी मिलता है कि आषाढ़ पूर्णिमा के दिन भगवान महावीर ने इंद्रभूति गौतम को अपने प्रथम शिष्य के रूप में स्वीकार किया था अर्थात भगवान महावीर ने गौतम को दीक्षित कर उसे अपना प्रथम शिष्य बनाने का गौरव प्रदान किया था। अतः इस दिन एक नया इतिहास लिखा गया। तभी से जैन सम्प्रदाय के अनुयायी गुरु पूर्णिम को इसी अहोभाव से मनाते हैं कि इस दिन उन्हें भगवान महावीर गुरु रूप में मिले थे। इसी प्रकार बौद्ध पंथ के इतिहास में भी यह स्पष्ट रूप से वर्णित है कि महाबुद्ध ने जब बुद्धत्व को प्राप्त कर लिया तो उनके मन में यह विचार उत्पन्न हुआ कि सबसे पहले धम्मोपदेश किस अनुयायी को दिया जाना चाहिए। तब उहें अपने उन पांच साथियों का ध्यान आया, जो निरंजना नदी के तट पर उनके साथ तपस्या और काय क्लेश के पथ पर अग्रसर हुए थे। परंतु जब महाबुद्ध ने यह मार्ग छोड़ दिया था, तब उन पांचों साथियों ने महाबुद्ध को छोड़ दिया था। परंतु चूंकि अब महाबुद्ध ने यह निर्णय कर लिया था कि धम्मोपदेश सबसे पहिले उन पांच साथियों को ही दिया जाय। अतः महाबुद्ध ने उन पांच साथियों को खोजना प्रारम्भ किया। जब यह पता चला कि वे पांच साथी सारनाथ के इसिपतन के मिगदाय में रहते हैं, तो माहबुद्ध सारनाथ की ओर चल पड़े। जिस दिन महाबुद्ध सारनाथ पहुंचे और उन पांच परिव्राजकों को धम्मोपदेश दिया, वह दिन आषाढ़ पूर्णिमा का था। बौद्ध सम्प्रदाय की मौलिक शिक्षाएं इसी दिन अस्तित्व में आई। इसीलिए बौद्ध धर्मावलम्बियों के लिए भी गुरु पूर्णिमा का दिवस विशेष महत्व का दिन माना जाता है। अब तो ऐसा कहा जा रहा है कि वैज्ञानिक भी आषाड़ पूर्णिमा की महत्ता को अब समझ चुके हैं। विस्डम आफ ईस्ट पुस्तक के लेखक श्री आर्थर चार्ल्स सटोक अपनी पुस्तक में लिखते हैं कि जैसे भारत द्वारा खोज किए गए शून्य, छंद, व्याकरण आदि की महिमा अब पूरा विश्व गाता है, उसी प्रकार भारत द्वारा उजागर की गई सत्गुरु की महिमा को भी एक दिन पूरा विश्व जानेगा। विश्व यह भी जानेगा कि अपने महान गुरु की पूजा के लिए उन्होंने आषाड़ पूर्णिमा का दिन ही क्यों चुना। श्री सटोक द्वारा आषाड़ पूर्णिमा को लेकर कई अधय्यन एवं शोध किए गए हैं। इन अध्ययनों एवं शोधों के आधार पर श्री सटोक कहते हैं कि वर्ष भर में अनेकों पूर्णिमाएं आती हैं, जैसे शरद पूर्णिमा, कार्तिक पूर्णिका, वैशाख पूर्णिमा, आदि। पर आषाढ़ पूर्णिमा भक्ति व ज्ञान के पथ पर चल रहे साधकों के लिए एक विशेष महत्व रखती है। इस दिन आकाश में अल्ट्रावायलेट रेडीएशन (पराबैंगनी विकिरण) फैल जाती है। इस कारण व्यक्ति का शरीर व मन एक विशेष स्थिति में आ जाता है। उसकी भूख, नींद व मन का बिखराव कम हो जाता है। अतः यह स्थिति साधक के लिए बेहद लाभदायक है। वह इसका लाभ उठाकर अधिक से अधिक ध्यान साधना कर सकता है। कहने का भाव यह है कि आत्म उत्थान व कल्याण के लिए गुरु पूर्णिमा का दिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अति उत्तम माना गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक किसी व्यक्ति या ग्रंथ की जगह केवल भगवा ध्वज को अपना मार्गदर्शक और गुरु मानते हैं। जब परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रवर्तन किया, तब अनेक स्वयंसेवक चाहते थे कि संस्थापक के नाते वे ही इस संगठन के गुरु बने; क्योंकि उन सबके लिए डॉक्टर हेडगेवार का व्यक्तित्व अत्यंत आदरणीय और प्रेरणादायी था। इस आग्रहपूर्ण दबाव के बावजूद डॉक्टर हेडगेवार ने हिंदू संस्कृति, ज्ञान, त्याग और सन्यास के प्रतीक भगवा ध्वज को गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने का निर्णय किया। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष व्यास पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) के दिन संघ स्थान पर एकत्र होकर सभी स्वयं सेवक भगवा ध्वज का विधिवत पूजन करते हैं। अपनी स्थापना के तीन साल बाद संघ ने वर्ष 1928 में पहली बार गुरु पूजा का आयोजन किया था। तब से यह परम्परा अबाध रूप से जारी है और भगवा ध्वज का स्थान संघ में सर्वोच्च बना हुआ है। भगवा ध्वज को गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने के पीछे संघ का दर्शन यह है कि किसी व्यक्ति को गुरु बनाने पर उसमें पहिले से कुछ कमजोरियां हो सकती हैं या कालांतर में उसके सदगुणों का क्षय भी हो सकता है, लेकिन ध्वज स्थायी रूप से श्रेष्ठ गुणों की प्रेरणा देता रह सकता है।

स्वत्व और स्वाभिमान से स्वयं को प्रकाशित होने का संदेश है गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा अर्थात अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर की और यात्रा और व्यक्ति से लेकर राष्ट्र तक स्वाभिमान जाग्रत कराने वाले परम् प्रेरक के लिये नमन् दिवस। जो हमें अपने आत्मबोध, आत्मज्ञान और आत्म गौरव का भान कराकर हमारी क्षमता के अनुरूप जीवन यात्रा का मार्गदर्शन करें वे गुरु हैं। वे मनुष्य भी हो सकते हैं, और कोई प्रतीक भी। संसार में कोई अन्य प्राणी भी, ज्ञान दर्शन कराने वाला कोई दृश्य, कोई घटना, कोई ग्रंथ या ध्वज जैसा भी कोई प्रतीक हो सकता है। अपने ज्ञान दाता के प्रति आभार और उनके द्वारा दिये गये ज्ञान से स्वयं के साक्षात्कार करने की तिथि है गुरु पूर्णिमा।

आषाढ़ माह की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाने का भी एक रहस्य है। भारत में प्रत्येक तीज त्यौहार के लिये तिथि का निर्धारण साधारण नहीं होता, प्रत्येक तिथि का अपना संदेश होता है। गुरु पूर्णिमा की तिथि का भी एक संदेश है। इसका निर्धारण एक बड़े अनुसंधान का निष्कर्ष है। वर्ष में कुल बारह पूर्णिमाएँ आतीं हैं। इन सभी में केवल आषाढ़ की पूर्णिमा ऐसी है जिसमें चंद्रमा का शुभ्र प्रकाश धरती पर नहीं आ पाता। या सबसे कम आता है। वर्षा के बादल चंद्रमा के प्रकाश का मार्ग अवरुद्ध कर देते हैं। एक प्रकार से चंद्रमा को ढंक लेते हैं। शुभ्र चंद्र-प्रकाश तो धरती पर आने का प्रयत्न तो करता है पर बादल अवरोध बन जाते हैं। यदि गुरु का संबंध केवल ज्ञान और प्रकाश से होता तो अश्विनी मास की शरद पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा माना जा सकता था। चूँकि इस पूर्णिमा को धरती पर आने वाला चन्द्र प्रकाश सबसे धवल और मोहक होता है। लेकिन इसके ठीक विपरीत आषाढ़ की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा माना गया। इसका संदेश ज्ञान पर आनी वाली भ्रान्तियों को दूर करना है। आषाढ़ की पूर्णिमा पर चन्द्र प्रकाश को रोकने वाले बादल स्थाई नहीं होते, वह अवरोध मौलिक नहीं होता, कृत्रिम होता है, अस्थाई होता है, जो समय के साथ छंट जाता है। ठीक इसी प्रकार मनुष्य की आँखो पर अज्ञान के बादल छाये रहते हैं। भीतर आत्मा तो परमात्मा का अंश है, जो ज्ञान और प्रकाश का पुंज है। पर मनुष्य का अज्ञान, अशिक्षा और भ्रांत धारणाओं की परतें आत्मा को ढक लेती हैं। जिससे मनुष्य की प्रगति अवरुद्ध होंने लगती है और उसके कुमार्ग पर चलने की आशंका हो जाती है। जिस प्रकार पवन देव बादलों को उड़ा ले जाते हैं धरती और चन्द्रमा के बीच का अवरोध समाप्त कर देते हैं, और शुभ्र चंद्र प्रकाश पृथ्वी की मोहक छवि को पुनः उभारने लगता है उसी प्रकार मनुष्य के ज्ञान बुद्धि पर पड़े अवरोध स्वयं नहीं हटते, उन्हे हटाने के लिये कोई प्रयत्न चाहिए, कोई निमित्त चाहिए। जो अज्ञान की परत का क्षय करके स्वज्ञान का भान करा सके। अज्ञान का हरण कर स्वज्ञान के इस जाग्रत कर्ता को ही गुरु कहा गया है। यह गुरु की विशेषता होती है कि अज्ञानता के अंधकार की ये सभी परतें हटा कर उसे उसके स्वत्व से साक्षात्कार कराता है। मनुष्य की विशिष्ठता को नये आयाम, नयी ऊँचाइयाँ देने में मार्ग दर्शन करता है। आषाढ़ की पूर्णिमा इसी का प्रतीक है।

गुरु पूजन परंपरा का आरंभ

इस दिन शिष्य अपने गुरु की अभ्यर्थना करते हैं, वंदना करते हैं। यह एक प्रकार का पूजन है। गुरु पूजन की यह परंपरा कब से आरंभ हुई यह नहीं कहा जा सकता है। भारतीय वाङ्मय में पीछे जितनी दृष्टि जाती है वहाँ गुरु परंपरा के आख्यान मिलते हैं। परम् गुरु भगवान् शिव को माना गया है। आदि गुरु महर्षि कश्यप, महर्षि भृगु, देव गुरु बृहस्पति और दैत्य गुरु शुक्राचार्य माने गये हैं। इसके बाद विभिन्न ऋषियों राजकुलों के गुरु के रूप में उल्लेख मिलता है। राजकुलों में बीच-बीच में गुरु बदले भी हैं। यह वर्णन भी पुराणों में है। पौराणिक आख्यानों में केवल गुरु परंपरा का ही उल्लेख नहीं अपितु ऋषियों की ज्ञान सभा होने के भी उल्लेख है। आरंभिक काल में ऐसी ज्ञान सभाएं शिव निवास कैलाश पर्वत पर होती थीं। जिनमें ऋषिगण भाग लेते थे, वे शिवजी के सामने समाज की स्थिति का चित्रण करते थे फिर भगवान् शिव समाधान सूत्र दिया करते थे। इसके बाद ऐसी ज्ञान सभाएं काशी में होने लगीं। ये सभाएं भी शिवजी के सभापतित्व में ही होतीं थीं। इसलिये भगवान शिव को ही आदि गुरु या परम् गुरु कहा गया है। आगे चलकर इन समाजों का केन्द्र नैमिसारण्य बना। यहाँ आचार्य प्रमुख महर्षि भृगु थे और यहीं से सभापतित्व का दायित्व ऋषियों के हाथ में आया। इन सभाओं का सप्त ऋषियों में से कोई अथवा उनके द्वारा आमंत्रित कोई अन्य प्रमुख ऋषि द्वारा सभापतित्व करने की परंपरा आरंभ हुई। ये सभाएं चतुर्मास की पूरी अवधि में हुआ करतीं थीं जो आषाढ़ की पूर्णिमा से आरंभ होकर शरद पूर्णिमा तक निरंतर चला करतीं थीं। इसलिये आज भी गुरु परंपरा के प्रत्येक संत इस अवधि में अपने मूल आश्रम में ही निवास करते हैं। नेमीसारण्य की इस ज्ञान सभा परंपरा के शिथिल होंने के बाद क्षेत्रीय सभाओं की परंपरा आरंभ हुई और इसी के साथ स्थानीय स्तर पर गुरु वंदन पूजन आरंभ हुआ। यद्यपि शंकराचार्य पीठ, महामंडेश्वर पीठ आदि प्रमुख गुरु स्थानों पर आज भी चतुर्मास में निरंतर व्याख्यान होने की परंपरा हो। पुराणों में आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु महत्ता स्थापना की पहला विवरण त्रेता युग के आरंभ में मिलता है। इसी तिथि को भगवान् शिव ने नारायण के अवतार भगवान् परशुराम जी को शिष्य के रूप में स्वीकार किया था। भगवान् शिव के भक्त तो सभी हैं पर शिष्य अकेले परशुराम जी। और इसी तिथि से भगवान् अमरनाथ के दर्शन आरंभ होने परंपरा भी बनी। वशिष्ठ परंपरा में इस तिथि को महर्षि व्यास का जन्म हुआ, जिन्होंने वेदों का भाष्य तैयार किया। इस प्रकार इस तिथि का महत्व बढ़ता गया।

हेपेटाइटिस में लक्षणों का इंतजार न करें, समय पर ब्लड टेस्ट कराएं : सुल्तानिया

जयपुर (नवयत्न)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर के वरिष्ठ पेट, आंत एवं लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ सुरेन्द्र सुल्तानिया ने कहा कि हेपेटाइटिस-बी और सी का संक्रमण लंबे समय तक बिना किसी लक्षण के रह सकता है और धीरे-धीरे लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि समय पर एक साधारण ब्लड टेस्ट से बीमारी की पहचान कर प्रभावी उपचार शुरू किया जा सकता है, जिससे लिवर सिरोसिस, लिवर फेल्योर और लिवर कैंसर जैसी जटिलताओं का खतरा कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस-सी के अधिकांश मामलों का सफल इलाज संभव है जबकि हेपेटाइटिस-बी के मरीज नियमित उपचार और चिकित्सकीय निगरानी में सामान्य जीवन जी सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की ग्लोबल हेपेटाइटिस रिपोर्ट-2026 के अनुसार प्रतिदिन 4900 से अधिक लोग हेपेटाइटिस-बी या सी से संक्रमित होते हैं और दुनिया में 28.7 करोड़ लोग क्रॉनिक हेपेटाइटिस से प्रभावित हैं। भारत में भी हेपेटाइटिस-बी का बोझ अधिक है। डॉ सुल्तानिया ने कहा कि हेपेटाइटिस केवल शराब पीने वालों की बीमारी नहीं है। यह संक्रमित रक्त, असुरक्षित इंजेक्शन, बिना जांच किए गए रक्त, संक्रमित चिकित्सा उपकरणों और संक्रमित मां से नवजात में भी फैल सकता है। उन्होंने पुरानी लिवर बीमारी, परिवार में हेपेटाइटिस का इतिहास, रक्त चढ़ने या रक्त के संपर्क में आने वाले लोगों को जांच कराने की सलाह देते हुए कहा कि जागरूकता, समय पर स्क्रीनिंग और उचित उपचार ही हेपेटाइटिस से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

19 स्वर्ण सहित 29 पदक जीतकर प्राप्त किया तीसरा स्थान

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। नेहरू बाल मंदिर स्कूल, राजगढ़ में 25 एवं 26 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में क्षेत्र की प्रो फाइटर क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 स्वर्ण, 6 रजत एवं 2 कांस्य पदक अपने नाम किए। कुल 26 पदक जीतकर क्लब ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में सीनियर वर्ग की बेस्ट प्लेयर गुंजन प्रजापत को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 5100 की नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं कैडेट वर्ग की बेस्ट प्लेयर मानसी प्रजापत को शानदार प्रदर्शन के लिए 3100 की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर क्लब के कोच कोमल सोनी ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, बेस्ट प्लेयर पुरस्कार विजेताओं तथा रेफरीशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मेहनत का परिणाम है।

कार्यालय ग्राम पंचायत घिरड़ोदा मीठा पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांक: 2026-27/89 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 51/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत घिरड़ोदा मीठा में वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी)एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0568 UBN-ZNR2627GLOB00761

प्रशासक ग्राम पंचायत घिरड़ोदा मीठा पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत घिरड़ोदा मीठा पंचायत समिति लाडनूँ

कार्यालय ग्राम पंचायत बल्दू पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांक: 2026-27/87 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 55/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत बल्दू में वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी)एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0573 UBN-ZNR2627GLOB00766

प्रशासक ग्राम पंचायत बल्दू पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत बल्दू पंचायत समिति लाडनूँ

कार्यालय ग्राम पंचायत कसुम्बी अलीपुर पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांक: 2026-27/193 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 57/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत कसुम्बी अलीपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी) एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0575 UBN-ZNR2627GLOB00768

प्रशासक ग्राम पंचायत कसुम्बी अलीपुर पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत कसुम्बी अलीपुर पंचायत समिति लाडनूँ

कार्यालय ग्राम पंचायत चन्द्राई पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांक: 2026-27/42 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 53/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत चन्द्राई में वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकसित भारत-जी राम जी योजना एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0571 UBN-ZNR2627GLOB00764

प्रशासक ग्राम पंचायत चन्द्राई पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत चन्द्राई पंचायत समिति लाडनूँ

कार्यालय ग्राम पंचायत निम्बी जोधा पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांक: 2026-27/141 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 52/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत निम्बी जोधा में वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी)एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0569 UBN-ZNR2627GLOB00762

प्रशासक ग्राम पंचायत निम्बी जोधा पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत निम्बी जोधा पंचायत समिति लाडनूँ

कार्यालय ग्राम पंचायत दुजार पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांक: 2026-27/70 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 58/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत दुजार में वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी)एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0576 UBN-ZNR2627GLOB00769

प्रशासक ग्राम पंचायत दुजार पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत दुजार पंचायत समिति लाडनूँ

कार्यालय ग्राम पंचायत रताऊ पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांक: 2026-27/83 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 48/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत रताऊ में वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी-रामजी) एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0565 UBN-ZNR2627GLOB00758

प्रशासक ग्राम पंचायत रताऊ पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत रताऊ पंचायत समिति लाडनूँ

कार्यालय ग्राम पंचायत सींवा पंचायत समिति लाडनूँ

क्रमांक: 2026-27/145 दिनांक : 23.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 60/2026-27

पंचायत समिति लाडनूं की अधीनस्थ ग्राम पंचायत सींवा में वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकसित भारत-जी राम जी योजना एवं पंचायतीराज की अन्य समस्त योजनाओं के तहत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिये निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु संवेदको विनिर्माताओं आपूर्तिकर्ताओं से ग्राम स्तरीय ई-निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http:/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है। निविदाये निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेंगी।

NIB-ZNR2627A0578 UBN-ZNR2627GLOB00771

प्रशासक ग्राम पंचायत सींवा पंचायत समिति लाडनूँ

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत सींवा पंचायत समिति लाडनूँ

शहीद स्मारक पर जुटे प्रदेशभर के पर्यटक गाइड

कल्याण बोर्ड के गठन, संविदा सेवा समेत कई मांगें उठाई

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों लाइसेंसधारी लोकल एवं स्टेट लेवल पर्यटक गाइडों ने मंगलवार को जयपुर के शहीद स्मारक पर अपनी वर्षों से लंबित मांगों को लेकर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को मांगपत्र सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

राजस्थान पर्यटक गाइड्स संघर्ष समिति के संरक्षक रविशंकर धाभाई ने बताया कि टूरिस्ट गाइड वेलफेयर एंड रिफॉर्म सोसायटी (पंजी) और विभिन्न गाइड संगठनों के संयुक्त आह्वान पर आयोजित प्रदर्शन में सरकार से पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत गाइडों के हितों की रक्षा के लिए ठोस निर्णय लेने की मांग की गई। सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष धारा सिंह गुर्जर ने बताया कि प्रमुख मांगों में राजस्थान पर्यटक गाइड कल्याण बोर्ड का गठन, राजस्थान पर्यटन व्यापार (सुविधा एवं विनियमन) नियम, 2010 में संशोधन कर गाइडों को संविदा सेवा में शामिल करना, गाइड लाइसेंस की वैधता दो वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष करना तथा नवीनीकरण शुल्क समाप्त करना शामिल है। इसके अलावा गाइडों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने, गंभीर बीमारी, दुर्घटना या मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता, निःशुल्क विदेशी भाषा प्रशिक्षण, नियमित रिफ्रेशर कोर्स और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने की भी मांग की गई। धरने में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय से मान्यता प्राप्त फेडरेशन ऑफ टूरिस्ट गाइड्स, जयपुर के अध्यक्ष मान सिंह शेखावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय नारायण गुप्ता, अनुभवी गाइड समिति आमेर के प्रदीप चटर्जी, सुदीप चटर्जी, सांवरमल यादव, आमेर गाइड यूनियन के अध्यक्ष विष्णु जागा तथा हवा महल गाइड यूनियन के अध्यक्ष राकेश यादव सहित विभिन्न गाइड संगठनों के पदाधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि पर्यटक गाइड राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन उद्योग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं लेकिन लंबे समय से उनकी समस्याओं की अनदेखी हो रही है। उन्होंने पर्यटन स्थलों पर केवल अधिकृत एवं लाइसेंसधारी गाइडों को कार्य करने की अनुमति देने, अवैध गाइडिंग पर प्रभावी रोक लगाने तथा पर्यटन विभाग की नीतियों और निर्णय प्रक्रिया में गाइड प्रतिनिधियों को उचित स्थान देने की मांग की।

प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। गाइडों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी वर्षों से लंबित मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर में चरणबद्ध और व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

शतचंडी महायज्ञ आयोजित

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। श्री राज-राजेश्वरी सेवाश्रम में श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक परंपरा के अनुरूप शतचंडी महायज्ञ का भव्य एवं दिव्य आयोजन सुबह पूजन के साथ शुरू हुआ। महायज्ञ में प्रतिदिन वैदिक ब्राह्मणों द्वारा दुर्गासप्तशती का पाठ, वेदमंत्रों का उच्चारण एवं यज्ञीय आहुतियों के माध्यम से जगदम्बा आदिशक्ति माँ भगवती का पूजन-अर्चन किया जा रहा है, जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा है। इस अवसर पर आश्रम प्रमुख महामंडलेश्वर कृष्णानन्द महाराज ने बताया कि शतचंडी महायज्ञ सनातन परंपरा के सर्वश्रेष्ठ एवं अत्यंत पुण्यदायी महायज्ञों में से एक है। मार्कण्डेय पुराण में वर्णित दुर्गासप्तशती के 700 मंत्रों के पाठ एवं वैदिक विधि से सम्पन्न होने वाला यह महायज्ञ माँ भगवती की विशेष कृपा प्राप्त कराने वाला माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इससे परिवार एवं समाज में सुख-समृद्धि, शांति, आरोग्य, धर्म की वृद्धि, दुष्ट शक्तियों का नाश तथा राष्ट्र एवं विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। आयोजन में वैद्य हरीश शर्मा, बनवारी लाल भारद्वाज, राजेश बर्फिया, देवकीनंदन व्यास, श्याम सुंदर मित्तल, हर्ष हरितवाल, जितेंद्र मंगलहारा, उदित आत्रेय, राघवेंद्र मिश्रा, योगेश तिवाड़ी, सुशील चंदनीया आदि उपस्थित थे।

तहसीलदार मीणा ने चार्ज संभाला

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ तहसील में उनियारा से ट्रांसफर होकर आये नये तहसीलदार पवन कुमार मीणा ने मंगलवार को चार्ज संभाला। गत एक पखवाड़े पूर्व तहसील के तहसीलदार शेर सिंह राठौड़ का जैसलमेर तहसील में स्थानांतरण हो गया था लेकिन राठौड़ डेढ़ महीने बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे इसको देखते हुए राठौड़ ने अपने पद पर बने रहने और बिसाऊ से ही सेवानिवृत्त लेने के लिए हाईकोर्ट से स्थगन आदेश ले लिया और कोर्ट ने राठौड़ को निर्देश दिया था कि छह माह में आप रेवेन्यू बोर्ड को अपना पक्ष बताएं। इस पर राठौड़ ने सेवानिवृत्त काल नजदीक होने का हवाला देकर बोर्ड से जैसलमेर की जगह स्थानांतरण अपने गृह जिले चुरू में कर दिये जाने की मांग की। इस पर बोर्ड ने मांग को मंजूर करते हुए राठौड़ का स्थानांतरण चूरू कर दिया गया। राठौड़ ने मंगलवार को नये आए तहसीलदार को चार्ज देकर चूरू के लिए रिलिव होगये। इधर नये आए तहसीलदार का चार्ज लेने और राठौड़ के रिलिव होने पर बिसाऊ भाजपा नेता इकबाल खान टाईगर और भाजपा ग्रामीण मंडल नेता सुभाष जांगिड़ दुलचास ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया है। नये तहसीलदार मीणा ने तहसीलदार कार्यालय का निरक्षण कर कमचारियों से परिचय किया व कर्मचारियों ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया।

शास्त्रीय संगीत संध्या आयोजित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में स्व. पंडित मोतीलाल संगीत संस्थान तारानगर की ओर से सोनी धर्मशाला में शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित मोतीलाल शर्मा के शिष्य संगीताचार्य सीताराम वर्मा, सुशील स्वामी, प्रेरणा सैनी, ओमप्रकाश गोस्वामी, पंडित जितेन्द्र शर्मा आदि ने शास्त्रीय संगीत व भजनों की मधुर प्रस्तुतियां दी। बाल कलाकार शुभम व कौशल ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर लोगों को राग रस आनन्द से अभिभूत किया। विकास अधिकारी छगन लाल छिम्पा, ओमप्रकाश गोस्वामी, रीडर धर्मेन्द्र वर्मा, विजय कुमार आदि ने प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी भेंटकर कलाकारों का सम्मान किया। इस अवसर पर दिनेश कुमार वर्मा, आशाराम गुरड़ा, सुरेंद्र सैनी, प्रदीप कुमार वर्मा, चिनू, नरेन्द्र शर्मा, संतलाल सैनी, अमरसिंह झुंझुनू आदि उपस्थित थे।

कारागार विभाग में 5 हजार नए पद सृजित करने की मांग को लेकर भेजा ज्ञापन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कारागार विभाग के हाल ही में जारी कैडर रिव्यू को लेकर जेल कर्मचारियों और कर्मचारी महासंघ में असंतोष देखने को मिल रहा है। कर्मचारी महासंघ एकीकृत ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर विभाग में लगभग 5 हजार से अधिक नए पदों के सृजन की मांग की है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि गृह विभाग की ओर से जारी कारागार विभाग के कैडर रिव्यू (स्वीकृति आदेश 02/2026-27) में जेलों की वास्तविक स्थिति की अनदेखी की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले प्रहरी वर्ग के 47 पद कम कर दिए गए हैं जबकि वर्तमान में ही जेलों में कर्मचारियों की भारी कमी बनी हुई है। राठौड़ ने कहा कि वर्तमान समय में जेलों की कार्यप्रणाली पूरी तरह बदल चुकी है। तकनीक और कंप्यूटर का बढ़ता उपयोग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बंदियों की पेशी, उप-जेलों का जिला जेलों में क्रमोन्नयन तथा नए खुला बंदी शिविरों की स्थापना के कारण अतिरिक्त मानव संसाधन की आवश्यकता बढ़ी है। इसके साथ ही जेलों में बंदियों की संख्या लगातार बढ़ने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ा है। महासंघ का कहना है कि इन परिस्थितियों के बावजूद सरकार ने कैडर रिव्यू में कुल स्वीकृत पदों की संख्या 3863 ही रखी है और प्रहरी के पद घटाकर उन्हें मुख्य प्रहरी तथा उप-कारापाल पदों में समायोजित कर दिया है। महासंघ ने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री से मांग की है कि जेल मुख्यालय समिति की रिपोर्ट और मॉडल जेल मैनुअल के मानकों के अनुरूप कारागार विभाग में 5 हजार से अधिक नए पदों का सृजन कर कर्मचारियों की कमी दूर की जाए।

फोलो कैंप में उमड़े लोग, ली सरकारी योजनाओं की जानकारी

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। फोलो अप कैम्प शहरी सेवा शिविर के तहत वार्ड नं 11 व 12 का शिविर नगरपरिषद में आयोजित किया गया। कार्यवाहक आयुक्त चारवी ने बताया कि शिविर में कृषि भूमि व 69ए के पट्टे की 2, पट्टा नवीनीकरण 5, पत्रावलियों का मौके पर निस्तारण किया गया। यूडी टैक्स के आवेदन 6, जीवीपी 4, सीवर कनेक्शन 5, नाली मरम्मत 2, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन पत्र 21, स्ट्रीट लाईट 4, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र 4, पीएम स्व निधि 2, जन आधार अद्यतन, संशोधन, नये जोडे गये सदस्य 28, वृक्षारोपण 200, आज जोड़े गये पेंशनर्स की संख्या 2, शहरी रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत जॉबकार्ड 4 प्रकरण, विद्युत सप्लाई में व्यवधान 2, ढीले तारों को व्यवस्थित 3 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनको मौके पर निस्तारित किया गया। चिकित्सा शिविर के अन्तर्गत 565 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य 120 के प्रकरण प्राप्त हुए। एनसीडी 479 प्रकरण, आधार सिडिंग 5, आधार केवाईसी 4, एलपीजी आईडी केवाईसी 1 प्रकरण प्राप्त हुए जिनको मौके पर निस्तारण किया गया। शिविर में निवर्तमान पार्षद दीनदयाल पारीक, रेंवतमल पंवार, रिछपाल बिजारणिया, निवर्तमान पार्षद प्रतिनिधि कमल दाधीच, राकेश प्रजापत, पन्नालाल सोनी आदि ने उपस्थित होकर आमजन को शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इस मौके पर शिविर कनिष्ठ अभियंता कमलेश साखुनिया, लेखाकार ओमप्रकाश खीचड़, वरिष्ठ लिपिक गौतम पारीक, लोकेश जांगिड़ तथा कनिष्ठ लिपिक लोकेश सियोता, फायरमैन देविका, रामनिवास जाट, सुनील विश्नोई, प्रमोद विश्नोई, मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी के जेटीए यतेन्द्र सिंह, लेखा सहायक सरिता बुडानिया, नरपत जाट, एमआईएस मैनेजर कृष्ण शर्मा, रोजगार सहायक मनीषा व समस्त कम्प्यूटर ऑपरेटर नगर परिषद् तथा चिकित्सा विभाग के नर्सिंग ऑफिसर विष्णु शर्मा, एएनएम सुमन कुमारी, जलदाय विभाग के फिटर शंकर, उर्जा विभाग के कनिष्ठ अभियंता गौतम मेघवाल, टेक्निशीयन राकेश तूनवाल तथा अन्य विभागों के कार्मिक उपस्थित रहे।

पॉक्सो मामले में फरार 5 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। शिवदासपुरा थाना पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के एक गंभीर मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर युवती के साथ दुष्कर्म कर उसका वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि शिवदासपुरा थाने में परिवादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी ने उसकी पुत्री के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और घटना का वीडियो बना लिया। इसके बाद वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जहां पुलिस की गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी आनंद गोयल निवासी निन्दन राव जी का रास्ता कोतवाली जयपुर हाल शिवदासपुरा को दस्तयाब कर पूछताछ की। अनुसंधान में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

ओम आश्रम सांगलिया धूणी का संत समागम

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। श्री ओम आश्रम सांगलिया धूणी में अखिल भारतीय सांगलिया धूणी सीकर के पीठाधीश्वर श्री श्री 108स्वामी ओम दास महाराज सांगलपति के सानिध्य में आयोजित सत्संग में सैकड़ों संत जन व हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। ओम दास महाराज सांगलपति व केशवदास महाराज सुजानगढ़ का पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष संतोष बाबू इंदौरिया, उपखंड अधिकारी मिथिलेश कुमार, पवन कुमार सेवदा, राकेश शर्मा आइस, अर्जुन सिंह राठौड़, संतोष तालणिया, गोपाल पारीक, फकीर चंद दानोदिया, महावीर प्रसाद मंडार, सुगनचंद मंडार, भंवरलाल पेंटर, रूपचंद पंवार आदि श्रद्धालुओं ने अभिनंदन किया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा के उद्बोधन के साथ हुआ रिणवा ने पचास साल पहले की अपने जीवन में घटी सांगलिया धूणी की चमत्कारी घटना का वृत्तांत सुनाया तथा कहा कि सत्संग व संतो का सानिध्य ही परम सुख है। बौद्ध आश्रम सुतोद के महन्त श्रवण दास महाराज सांगलपति के सानिध्य में चली सत्संग में स्वरचित वाणी के माध्यम से सभी को दुर्व्यसन मुक्त जीवन जीने का आह्वान किया। सत्संग में भैरदास महाराज रोडू, राजूदास आलसर, टोडाराम सुख पंथी, शांति बाई वैष्णव राजलदेसर, पांची राम परसनेऊ, केशादास जैतासर, भंवरलाल कमलिया सहित अनेक संतों ने दो-दो वाणियों के माध्यम से अमृत वर्षा की। साध्वी संतोष दास ने आये हुए सभी का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। सत्संग कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता रिखा राम तालणिया ने किया।

दो दिवसीय महोत्सव में गुरु पूजन व सत्संग में उमड़े श्रद्धालु

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्री हित समाज की ओर से दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का शुभारंभ डिग्गी रोड स्थित महात्मा गांधी स्कूल के पास ढाणी कुमावतान, सांगानेर में श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। महोत्सव के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु पूजन, चरण वंदन और सत्संग में सहभागिता की। महोत्सव के दौरान श्री हित प्रेम कुमार गोस्वामी महाराज एवं श्री हित हितेंद्र कुमार गोस्वामी महाराज छोटी सरकार श्री हित धाम वृंदावन का गुरु भक्तों ने विधि-विधान से गुरु पूजन किया। इससे पूर्व चरण पादुका पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, सत्संग एवं प्रवचन का भी आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने गुरु महिमा का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। दो दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन बुधवार को गोविंद देवजी मंदिर के निकट तालकटोरा सत्संग भवन में गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजित होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर गुरु महाराज की पूजा-अर्चना, चरण वंदन करेंगे। साथ ही नवीन शिष्यों को वैष्णवी कंठी दीक्षा भी प्रदान की जाएगी।

गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर बम की सूचना पर मॉक ड्रिल

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी के गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह बम मिलने की सूचना पर सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया। मॉक ड्रिल के दौरान प्लेटफॉर्म नंबर-1 को खाली कराकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया और संदिग्ध बम को निष्क्रिय किया गया। इस दौरान सभी सुरक्षा एजेंसियों के रिस्पांस टाइम का भी आकलन किया गया। पुलिस उपायुक्त पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को स्टेशन मास्टर की ओर से गांधी नगर रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में बम रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस, डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता एटीएस और दमकल विभाग सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां तत्काल मौके पर पहुंचीं। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे रेलवे स्टेशन पर सघन तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर संदिग्ध बम मिलने की स्थिति का अभ्यास किया गया, जिसके बाद प्लेटफॉर्म को तत्काल खाली कराया गया।

अखिल भारतीय किसान सभा का धरना प्रदर्शन

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। तहसील के किसानों ने अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले मंगलवार को एसडीएम कार्यालय के एक दवाई धरना प्रदर्शन कर किसानों से जुड़ी समस्याओं से प्रशासन को अवगत करवाया। ज्ञापन में बताया गया कि रबी 2022-23 फसल खराबी या बकाया किसानों का मुआवजा व बीमा क्लेम तुरन्त दिया जाए, खरीफ 2025 फसल खराबी का मुआवजा व बीमा क्लेम जारी करने, पावर ग्रीड की 765 केवी लाईन से प्रभावित किसानों का जमीन, मकान, डिग्गी व ट्युबेल पेड़-पोधो का बकाया मुआवजा तुरन्त दिया जाने, पीने के लिए नहरी पानी की सप्लाई सुचारू रूप से सभी गांवों व ढाणीयो में नियमित करने, बेल व उंट ब्रिकी पर लगी रोक को तुरन्त हटाई जावें व आवारा पशुओं व सुअरो से निजात दिलवाई जाए, ढाणीयों में घरेलु विद्युत कनेक्शन जारी करने, फसल कटिंग पांच किसानों के सामने पारदर्शी तरीके से कि जावें ताकी फसल खराब होने पर किसानों को उचित फसल बीमा क्लेम व मुआवजा मिल सके। लाडनूं तहसील में कपास खरीद केन्द्र खोला जाये जिससे किसानों को दूर नही जाना पड़े। ओडिन्ट जीएसएस में लोड अधिक होने के सुनारी फिडर से अलग करवाए जाने की महत्वपूर्ण मांगे रखी गई।

निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। राजकीय प्रकाश उच्च माध्यमिक विद्यालय में अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संस्था प्रधान विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि अणुव्रत समिति के द्वारा आयोजित इस कॉन्टेस्ट में हमारी ताकत - हमारा परिवार विषय पर विद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता वरिष्ठ वर्ग में मानवी नवल प्रथम, अंतिमा दायमा द्वितीय और अंतिमा तृतीय स्थान पर रहीं। चित्रकला कनिष्ठ वर्ग में अंशिका ने प्रथम, कशिश द्वितीय और चंचल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग चित्रकला में संध्या प्रथम, निर्मला द्वितीय और ज्योति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का आयोजन व्याख्याता मधुबाला टेलर और वरिष्ठ अध्यापिका संजू रेगर के मार्गदर्शन में हुआ।

अश्लील फोटो-वीडियो से ब्लैकमेल करने वाला दस हजार का इनामी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। मुहाना थाना पुलिस की स्पेशल टीम ने अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और रंगदारी मांगने के मामले में चार साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी को उत्तर प्रदेश के मथुरा से गिरफ्तार किया है। आरोपी युवती के अश्लील फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे 50 हजार रुपए की मांग कर रहा था तथा शारीरिक संबंध बनाने का दबाव भी बना रहा था। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस की स्पेशल टीम ने अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और रंगदारी मांगने के मामले में चार साल से फरार चल रहे 10 हजार के इनामी आरोपी हरवीर ठाकुर उर्फ बुल्ला निवासी ग्राम हथिया, बरसाना जिला मथुरा उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। मुहाना थानाधिकारी मुकेश कुमार खरड़िया के अनुसार 24 जुलाई 2022 को पीड़िता ने मुहाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके पड़ोस में किराये पर रहने वाले हरवीर ठाकुर उर्फ बुल्ला ने चोरी-छिपे उसके अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए। इसके बाद आरोपी ने उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर 50 हजार रुपए की रंगदारी मांगी और शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। इस पर मुहाना थाने में मामला दर्ज किया गया। इधर मामला दर्ज होने के बाद आरोपी जयपुर छोड़कर अपने गांव फरार हो गया और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा। तकनीकी शाखा की मदद से पुलिस ने उसकी लोकेशन उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में ट्रेस की। इसके बाद टीम ने दबिश देकर आरोपी हरवीर ठाकुर को गिरफ्तार किया गया। वहीं आरोपी की गिरफ्तारी में कांस्टेबल ओमप्रकाश डोबर और कांस्टेबल दामोदर सारण की विशेष भूमिका रही। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी मुकेश कुमार खरड़िया, हेड कांस्टेबल कानसिंह, भंवरलाल, कांस्टेबल बहादुर तथा जयपुर दक्षिण तकनीकी शाखा के हेड कांस्टेबल रामसिंह और लोकेश शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190